हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

निर्भीक, निष्पक्ष, सच का प्रवाह

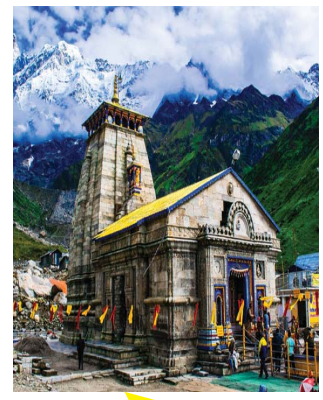

वर्ष:5 अंक:161 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, बुधवार, 17 जून 2026

केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर

सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में दिशा समिति की बैठक आयोजित

पथ प्रवाह, हरिद्वार

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक मंगलवार को सांसद हरिद्वार एवं पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में कुंभ मेला नियंत्रण भवन सभागार में आयोजित की गई। बैठक में केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए उनके प्रभावी क्रियान्वयन, जनसमस्याओं के समाधान तथा विकास कार्यों में तेजी लाने पर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाएं केवल आंकड़ों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका प्रत्यक्ष लाभ प्रत्येक पात्र नागरिक तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना सभी विभागों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना,

रोजगार एवं स्वरोजगार योजनाएं, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, पोषण अभियान सहित विभिन्न केंद्र प्रायोजित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। संबंधित विभागों के अधिकारियों ने योजनावार उपलब्धियों, लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति तथा भविष्य की कार्ययोजना की जानकारी प्रस्तुत की। सांसद श्री रावत ने स्पष्ट कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि पात्र लाभार्थियों का चिन्हीकरण पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाए तथा योजनाओं से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने वृद्धावस्था पेंशन एवं विधवा पेंशन योजनाओं से वंचित पात्र लाभार्थियों को चिन्हित कर उन्हें शीघ्र लाभान्वित करने के निर्देश भी दिए।

शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर विशेष संवेदनशीलता बरतने की आवश्यकता पर बल देते हुए सांसद ने कहा कि जिन विद्यालयों के ऊपर से विद्युत लाइनें गुजर रही हैं अथवा बिजली के तार झूल रहे हैं, वहां बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्हें तत्काल हटाने अथवा स्थानांतरित करने के प्रस्ताव तैयार किए जाएं। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यों के लिए सांसद निधि एवं विधायक निधि से आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत, विद्युत आपूर्ति में सुधार, स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, शिक्षा, सिंचाई व्यवस्था तथा अन्य स्थानीय समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। सांसद ने संबंधित अधिकारियों को इन विषयों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जनपद में संचालित विभिन्न केंद्र पोषित योजनाओं की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि सभी विभागों के साथ नियमित समीक्षा बैठकों के माध्यम से योजनाओं के क्रियान्वयन की सतत निगरानी की जा रही है।

बैठक में कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक,जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण चौधरी, महापौर श्रीमती किरण जैसल, विधायक हरिद्वार ग्रामीण श्रीमती अनुपमा रावत, विधायक भगवानपुर श्रीमती ममता राकेश, विधायक झबरेड़ा वीरेंद्र जाती, विधायक पिरान कलियर फुरकान अहमद, विधायक रानीपुर आदेश चौहान, विधायक मंगलौर काजी निजामुद्दीन, विधायक लक्सर मोहम्मद शहजाद, भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा, प्रभागीय वनाधिकारी स्वपनिल अनिरुद्ध, नगर आयुक्त नंदन कुमार, मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्र, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) वैभव गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.के. सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए नलिनीत घिल्डियाल, जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश सहित दिशा समिति के सदस्य, नगर निकायों के अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

गुजरात से ओमान और अन्य खाड़ी देशों को जोड़ने वाली ऊर्जा पाइपलाइन बनाने संबंधी खबरें फर्जी : सरकार

नयी दिल्ली 16 जून (वार्ता) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने उन मीडिया रिपोर्टों को गलत बताया है जिनमें भारत के गहरे समुद्र में गुजरात से ओमान और अन्य खाड़ी देशों को जोड़ने वाली एक ऊर्जा पाइपलाइन बनाने का दावा किया गया है। मंत्रालय ने मंगलवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि उसने उन मीडिया रिपोर्टों का संज्ञान लिया है जिनमें कहा गया है कि भारत सरकार सक्रिय रूप से गहरे समुद्र में एक ऊर्जा पाइपलाइन का निर्माण कर रही है, जिसे पश्चिम एशिया-भारत डीपवाटर पाइपलाइन (एमईआईडीपी) का नाम दिया जा रहा है। यह पाइपलाइन गुजरात को ओमान और अन्य खाड़ी देशों से जोड़ती है।

डीजल, विमान ईंधन के निर्यात पर उत्पाद शुल्क बढ़ा

नयी दिल्ली। सरकार ने डीजल और विमान ईंधन के निर्यात पर उत्पाद शुल्क बढ़ा दिया है। डीजल के निर्यात पर उत्पाद शुल्क में 50 पैसे और विमान ईंधन पर तीन रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गयी है। वित्त मंत्रालय की सोमवार देर रात जारी अधिसूचना में बताया गया है कि नयी दरें 16 जून 2026 से लागू होंगी। निर्यात वाले डीजल पर उत्पाद शुल्क 13.5 रुपये से बढ़ाकर 14 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। विमान ईंधन के निर्यात पर अब 9.5 रुपये की जगह 12.5 रुपये प्रति लीटर उत्पाद शुल्क लगेगा। वहीं, पेट्रोल निर्यात पर उत्पाद शुल्क 1.50 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रखा गया है। इन दरों में पिछली बार 01 जून को बदलाव किये गये थे। उस समय निर्यात वाले पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क 1.50 रुपये, डीजल पर तीन रुपये और विमान ईंधन पर 6.50 रुपये घटाये गये थे। उत्पाद शुल्क की ये दरें घरेलू बिक्री पर लागू नहीं होंगी। साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों द्वारा नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका को किये जाने वाले निर्यात पर भी ये दरें लागू नहीं होंगी।

नागरिकता के सबूत के तौर पर आधार के इस्तेमाल के खिलाफ याचिका पर अदालत ने केंद्र, राज्यों और चुनाव आयोग से मांगा जवाब

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और चुनाव आयोग से उस याचिका पर जवाब देने की मांग की है, जिसमें आधार को सिर्फ पहचान के सबूत के तौर पर मानने की बात की गई, ना कि नागरिकता, रहने की जगह, घर के पते या जन्मतिथि के सबूत के तौर पर। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ ने वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की दायर एक जनहित याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें कहा गया है कि पहचान सत्यापन के अलावा आधार का इस्तेमाल आधार अधिनियम, 2016 और यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) द्वारा जारी स्पष्टीकरण के खिलाफ है।

याचिका आधार अधिनियम की धारा 9 पर आधारित है, जिसमें कहा गया है कि आधार नंबर या उसका प्रमाणिकरण अपने आप में नागरिकता या रहने की जगह का कोई अधिकार नहीं देता है। इसमें अगस्त 2023 में जारी यूआईडीएआई की एक अधिसूचना का भी जिक्र है, जिसमें साफ किया गया है कि आधार सिर्फ पहचान के सबूत के तौर पर काम करता है और यह नागरिकता, पते या जन्म की तारीख का सबूत नहीं है।

आधार अधिनियम, 2016 की धारा 9 में कहा गया है कि आधार नंबर नागरिकता या रहने की जगह वगैरह का सबूत नहीं है। इसमें लिखा है, 'आधार नंबर या उसका प्रमाणिकरण अपने आप में आधार नंबर होल्डर के संबंध में नागरिकता या रहने की जगह का कोई अधिकार नहीं देगा या उसका सबूत नहीं होगा।

सरकार ने नीट पुनर्परीक्षा के मद्देनजर टेलीग्राम एप पर लगाया अस्थायी प्रतिबंध

नयी दिल्ली । सरकार ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) की पुनर्परीक्षा के मद्देनजर इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर 22 जून तक अस्थायी पाबंदी लगा दी है। यह कदम राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की सिफारिश पर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मैटी) ने उठाया है।

सरकार के इस निर्णय के बाद कोई भी उपभोक्ता 22 जून तक इस ऐप का इस्तेमाल नहीं कर पाएगा। इसके अलावा 30 जून तक टेलीग्राम पर किसी मैसेज को एडिट भी नहीं कर पाएंगे। एनटीए ने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा है कि धोखाधड़ी करने वाले गिरोह कथित तौर पर नीट उम्मीदवारों को ठगने के लिए टेलीग्राम का इस्तेमाल करते थे और पेपर लीक होने के झूठे

दावे करते थे। एनटीए के अनुसार भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने एनटीए और राज्य पुलिस से मिली जानकारी के आधार पर कई टेलीग्राम चैनलों, ग्रुप्स और बॉट्स को बंद करवाने में मदद की है। एनटीए ने बताया है कि एक-एक करके चैनलों पर कार्रवाई करने से भी खतरा पूरी तरह खत्म नहीं होने पर प्लेटफ़ॉर्म-स्तर पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया। एनटीए के मुताबिक 'पेपर लीक' और 'री-एग्जाम 2026' जैसे नामों वाले चैनलों ने कथित तौर पर नकली पेपर के लिए उम्मीदवारों से हज़ारों से लेकर लाखों रुपये की मांग की। एनटीए ने दावा किया है कि टेलीग्राम के एडिटिंग फीचर की वजह से एडमिन पुरानी फाइलों को बदलकर उनकी जगह नयी फाइलें डाल सकते थे, जबकि ओरिजिनल टाइमस्टैम्प वही रहता था। इस वजह से परीक्षा के बाद गुमराह करने वाले सबूत बन जाते थे।

एनटीए ने कहा है कि इस निर्णय से असली उपभोक्ता भी प्रभावित होंगे लेकिन यह सिर्फ परीक्षा की अवधि तक ही लागू रहेगी और इसका मकसद परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखना है।

कर्णप्रयाग में धारदार हथियार से हमला करने वाले 04 निहंग यात्री चमोली पुलिस की हिरासत में

पथ प्रवाह, चमोली

कोतवाली कर्णप्रयाग क्षेत्रान्तर्गत कर्णप्रयाग बाजार में कृष्णा पैलेस होटल के समीप श्री हेमकुण्ड साहिब यात्रा से लौट रहे कुछ निहंग यात्रियों एवं प्रकाश रावत पुत्र राजेन्द्र सिंह रावत निवासी कर्णप्रयाग बाजार स्थानीय व्यापारियों के मामूली कहासुनी के बाद विवाद उत्पन्न हुआ।

कहासुनी में विवाद इतना बढ़ गया कि 02 निहंग यात्रियों द्वारा प्रकाश रावत पर धारदार हथियार से हमला कर दिया गया। घटना के दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे स्थानीय लोगों पर भी 02 अन्य निहंग यात्रियों ने हमला कर दिया, जिससे चार स्थानीय व्यक्ति घायल हो गए। एक घायल व्यक्ति को एयर एम्बुलेंस के माध्यम से देहरादून भेज दिया गया है, जबकि अन्य तीन घायलों की स्थिति सामान्य एवं स्थिर है।

घटना की सूचना प्राप्त होते ही मौके पर पहुँची पुलिस टीम द्वारा हमला करने वाले चारों आरोपियों को तत्काल हिरासत में लिया गया। जिसके पश्चात पीड़ित/वादी गजपाल सिंह द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर कोतवाली कर्णप्रयाग में मु0अ0सं0-17/2026, धारा 281/125/109/352/351(2) बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर आरोपियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। घटना के बाद कुछ समय के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग बाधित हो गया था। जिसके पश्चचात मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी चमोली गौरव कुमार एवं पुलिस अधीक्षक चमोली सुरजीत सिंह पँवार स्वयं मौके पर पहुँचकर स्थानीय नागरिकों से वार्ता की गयी। प्रशासन एवं पुलिस के संयुक्त प्रयासों से राष्ट्रीय राजमार्ग को पुनः यातायात हेतु सुचारू कर दिया गया है। यात्रियों एवं स्थानीय लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए चारधाम यात्रा मार्ग से जुड़े सभी जनपदों से समन्वय स्थापित कर कुछ समय के लिए यातायात को नियंत्रित किया गया, जिससे अधिक संख्या में वाहन प्रभावित नहीं हुए। जिला प्रशासन द्वारा मौके पर फँसे यात्रियों के लिए पेयजल एवं खाद्य सामग्री की भी समुचित व्यवस्था भी की गयी थी।

जिलाधिकारी चमोली ने कहा कि जनपद में चारधाम यात्रा पूर्णतः शांतिपूर्ण एवं निर्बाध रूप से संचालित हो रही है तथा वर्तमान में कानून एवं यातायात व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है, उन्होंने सभी से शांति बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

एसपी चमोली ने स्पष्ट कहा कि जनपद में किसी भी प्रकार की गुंडागर्दी, कानून-व्यवस्था भंग करने अथवा आमजन की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले व्यक्तियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे असामाजिक तत्वों के विरुद्ध चमोली पुलिस द्वारा सख्त एवं कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा पूरे क्षेत्र में सतत निगरानी रखी जा रही है तथा किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। वर्तमान में स्थिति पूर्णतः नियंत्रण में है और पुलिस-प्रशासन द्वारा शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यक सभी कदम उठाए जा रहे हैं।

चमोली पुलिस की अपील

चमोली पुलिस स्थानीय नागरिकों एवं श्रद्धालुओं से अपील करती है कि किसी भी विवाद की स्थिति में कानून अपने हाथ में न लें, संयम एवं धैर्य बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। केवल प्रशासन एवं पुलिस द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें तथा किसी भी अपुष्ट जानकारी को सोशल मीडिया पर प्रसारित न करें।

इस दौरान उपजिलाधिकारी गैरसैण अबरार अहमद, पुलिस उपाधीक्षक कर्णप्रयाग त्रिवेन्द्र सिंह राणा, तहसीलदार कर्णप्रयाग सुधा डोभाल, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कर्णप्रयाग विनोद थपलियाल सहित प्रशासन एवं पुलिस के अन्य अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहें।

एक नजर

पीसीपीएनडीटी अधिनियम उल्लंघन पर अल्ट्रासाउंड केंद्र संचालक दोषी करार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। पीसीपीएनडीटी (पूर्व गर्भाधान एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक) अधिनियम, 1994 के उल्लंघन के मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, हरिद्वार ने कनखल क्षेत्र स्थित एक अल्ट्रासाउंड केंद्र के संचालक को दोषी ठहराते हुए 10 हजार रुपये के जुर्माने तथा न्यायालय के उठने तक कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही जुर्माना अदा न करने की स्थिति में दो वर्ष के कारावास का प्रावधान भी किया गया है।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आर.के. सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा कनखल स्थित मदर केयर क्लीनिक में पीसीपीएनडीटी अधिनियम के तहत जांच के दौरान गंभीर अनियमितताएं पाई गई थीं। जांच में सामने आया था कि केंद्र बिना वैध पंजीकरण के अल्ट्रासाउंड सेवाओं का संचालन कर रहा था। इसके बाद तत्कालीन अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा न्यायालय में परिवाद दायर किया गया था।

मामले की सुनवाई के बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, हरिद्वार ने अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करने और निर्धारित नियमों का पालन न करने के लिए केंद्र संचालक को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई।

मुख्य चिकित्साधिकारी ने कहा कि जिले में पीसीपीएनडीटी अधिनियम का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जा रहा है तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि पिछले एक सप्ताह के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने रुड़की क्षेत्र में तीन अल्ट्रासाउंड मशीनों को सील किया है। ये मशीनें उपयोग में नहीं थीं, लेकिन उनके संभावित दुरुपयोग की आशंका को देखते हुए सील करने की कार्रवाई की गई। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि भ्रुण लिंग जांच और अवैध अल्ट्रासाउंड संचालन जैसी गतिविधियों पर सख्त निगरानी रखी जा रही है तथा कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

गंगा नदी में अज्ञात युवक का शव मिलने से मचा हड़कंप

पथ प्रवाह, हरिद्वार। थाना पथरी क्षेत्र के बिशनपुर गांव के समीप गंगा नदी में एक अज्ञात युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया।

मंगलवार को ग्रामीणों ने गंगा नदी में एक युवक का शव बहकर आने की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही फेरूपुर चौकी प्रभारी विपिन कुमार,कांस्टेबल अनिल पवार गंभीर सिंह दौलत राम जयपाल सहित एसडीआरएफ टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को नदी से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया। मृतक की उम्र करीब 20 वर्ष बताई जा रही है, लेकिन उसकी पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया आशंका जताई जा रही है कि सोमवती अमावस्या के अवसर पर गंगा स्नान के दौरान युवक गहरे पानी में डूब गया होगा और उसका शव बहकर बिशनपुर क्षेत्र तक पहुंच गया। हालांकि युवक की मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। फेरूपुर चौकी प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि शव की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास के थानों और जनपदों को भी सूचना भेजी जा रही है। फिलहाल शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया है। पुलिस युवक की शिनाख्त में जुटी हुई है और मामले की जांच की जा रही है।

खनन सामग्री से भरा डंपर पलटा, टैम्पो ट्रैवलर भी खाई में गिरी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार-लक्सर मार्ग पर 24 घंटे के भीतर दो सड़क हादसे हुए। मंगलवार सुबह बादशाहपुर बस स्टैंड के पास बजरी से भरा एक डंपर अनियंत्रित होकर बिजली के पोल और तार तोड़ते हुए पलट गया। चालक सदाकत अली और परिचालक जीशान अली को मामूली चोटें आईं। हादसे के बाद बिजली आपूर्ति बाधित हो गई, जिसे ऊर्जा निगम की टीम ने बहाल कराया।

वहीं देर रात भट्टीपुर के पास एक टैम्पो ट्रैवलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस वाहन चालक और मालिक की जानकारी जुटाकर मामले की जांच कर रही है।

लगातार हो रहे हादसों से क्षेत्रवासियों में नाराजगी है। लोगों ने ओवरलोड और खनन सामग्री ढोने वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

76 लाख श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़, सोमवती अमावस्या स्नान पर्व सकुशल संपन्न होने पर प्रशासन ने जताया आभार

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

धर्मनगरी हरिद्वार में सोमवती अमावस्या के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व आस्था उमड़ी। अनुमानित 76 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने माँ गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। भारी भीड़ और व्यापक जनसमागम के बावजूद स्नान पर्व पूरी तरह सकुशल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने सोमवती अमावस्या स्नान पर्व के सफल आयोजन पर समस्त श्रद्धालुओं, स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों, संत महत्माओं, पुरोहितों विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा विशेष रूप से सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक संचालन तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं की व्यवस्थाओं में जुटाए गए कार्मिकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन तथा व्यवस्थाओं के प्रभावी संचालन में पुलिस प्रशासन ने अत्यंत समर्पण, धैर्य और संवेदनशीलता के साथ कार्य किया, जिसके

परिणामस्वरूप विशाल जनसमूह के बीच भी स्नान पर्व शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सका।

जिलाधिकारी ने कहा कि यह सफलता प्रशासन, पुलिस विभिन्न सहयोगी विभागों के मध्य उत्कृष्ट समन्वय, सूक्ष्म योजना और निरंतर निगरानी का परिणाम है। स्नान पर्व के दौरान भीड़ प्रबंधन, यातायात संचालन, घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था, चिकित्सा सेवाएं, स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, आपदा प्रबंधन तथा निगरानी व्यवस्था को सक्रिय रखते हुए प्रत्येक स्तर पर सतर्कता बरती गई।

उन्होंने उन सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना की जिन्होंने दिन-रात अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराया। जिलाधिकारी ने स्वयंसेवी संगठनों, श्री गंगा सभा,तीर्थ पुरोहितों, साधु संत महात्माओं, व्यापार संगठनों, मीडिया कर्मियों, सामाजिक संस्थाओं, सफाई कर्मियों, स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग, नगर निगम, जल संस्थान, विद्युत विभाग तथा अन्य सहयोगी एजेंसियों के योगदान को भी महत्वपूर्ण बताते हुए उनका आभार प्रकट किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि हरिद्वार आने वाले श्रद्धालुओं के अनुशासन, सहयोग और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के पालन ने भी इस विशाल आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य के आयोजनों में भी इसी प्रकार का समन्वय और सहभागिता बनी रहेगी।

सोमवती अमावस्या स्नान के बाद नगर निगम ने गंगा के घाटों पर चलाया स्वच्छता अभियान, 90 ट्रैक्टर कूड़ा हटाया

पथ प्रवाह, हरिद्वार। सोमवती अमावस्या के अवसर पर हरिद्वार में आयोजित हुए ऐतिहासिक स्नान पर्व में लगभग 75 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन के कारण विभिन्न घाटों एवं सार्वजनिक स्थलों पर बड़ी मात्रा में कूड़ा एकत्रित हुआ, जिसे नगर निगम हरिद्वार ने युद्धस्तर पर अभियान चलाकर समयबद्ध रूप से साफ कर दिया।

नगर निगम की टीम द्वारा पुलिस प्रशासन से वाहनों की अनुमति मिलते ही रात्रि लगभग 9:00 बजे से ही स्वच्छता अभियान प्रारंभ कर दिया गया। अभियान के अंतर्गत विष्णु घाट, अलकनंदा घाट, सुभाष घाट, नई घाट तथा मालवीय घाट सहित सभी प्रमुख स्नान स्थलों पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया।

नगर निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूरी रात निरंतर कार्य करते हुए लगभग 90 ट्रैक्टर कूड़ा एकत्रित कर उसका निस्तारण किया। रात्रि 4:00 बजे तक सभी प्रमुख घाटों एवं आसपास के क्षेत्रों से कूड़ा हटाकर व्यापक सफाई कार्य पूर्ण कर लिया गया, जिससे स्नान पर्व के उपरांत भी शहर की स्वच्छता एवं व्यवस्था बनी रही। स्वच्छता

अभियान के दौरान नगर आयुक्त, नगर निगम हरिद्वार, आईएएस नंदन कुमार द्वारा रात्रि लगभग 2:00 बजे स्वयं मौके पर पहुंचकर सफाई कार्यों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा बेहतर प्रदर्शन के लिए टीम का उत्साहवर्धन किया। अभियान के दौरान उप नगर आयुक्त दीपक गोस्वामी, मुख्य सफाई निरीक्षक संजय शर्मा, सफाई निरीक्षक धीरेंद्र सेमवाल सहित नगर निगम की समस्त स्वच्छता टीम पूरी रात मुस्तैदी के साथ कार्य में जुटी रही। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व संख्या के बावजूद निर्धारित समय में सभी प्रमुख घाटों एवं मार्गों की सफाई पूर्ण कर ली गई, जो नगर निगम की सुव्यवस्थित कार्ययोजना एवं कर्मचारियों की अथक मेहनत का परिणाम है। नगर निगम द्वारा चलाया गया यह विशेष स्वच्छता अभियान सोमवती अमावस्या स्नान के सफल एवं स्वच्छ आयोजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

27 राज्यों के 700 से अधिक धनुर्धरों ने दिखाया प्रतिभा का जौहर

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

एसएमजेएन पीजी कॉलेज हरिद्वार में आरजेके फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित चौथी छह दिवसीय राष्ट्रीय तीरंदाजी चौंपियनशिप का सोमवार को भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में देश के 27 राज्यों से 700 से अधिक धनुर्धर भाग ले रहे हैं। चौंपियनशिप का समापन 21 जून को होगा।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं श्री मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता का उद्घाटन हरिद्वार की किरण जैसल, रेलवे पुलिस अधीक्षक अरुणा भारती तथा कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुनील बत्रा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मेयर किरण जैसल ने कहा कि खेल राष्ट्रीय भावना को जागृत करते हैं तथा युवाओं में राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि हरिद्वार में इस तरह की राष्ट्रीय प्रतियोगिता के आयोजन से युवाओं में तीरंदाजी के प्रति रुचि और बढ़ेगी। रेलवे पुलिस अधीक्षक अरुणा भारती ने कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास का सशक्त माध्यम हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में युवाओं का खेलों के प्रति रुझान तेजी से बढ़ा है और उत्तराखंड ने भी खेलों के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुनील बत्रा ने कहा कि खेल युवाओं में ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खेलो इंडिया अभियान से देश में खेल संस्कृति को नई दिशा मिली है और युवाओं का झुकाव खेलों की ओर बढ़ा है। चैंपियनशिप के संयोजक कुलदीप सिंह चौहान ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, झारखंड, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर सहित देश के विभिन्न राज्यों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता को चार आयु वर्गों में विभाजित किया गया है तथा इसकी एक विशेषता यह भी है कि स्वर्ण पदक विजेताओं को वास्तविक सोने का पदक प्रदान किया जाएगा। आरजेके फाउंडेशन के निदेशक कुलदीप चौहान एवं रमेश प्रसाद ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन उत्तराखंड तीरंदाजी फाउंडेशन और जिला हरिद्वार तीरंदाजी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह में पंचायती श्री आनंद अखाड़ा के महंत रचित गिरी तथा पंचदशनाम जूना अखाड़ा की महंत रजनी गिरी ने आशीर्वचन दिए। कार्यक्रम में डॉ. संजय माहेश्वरी, डॉ. शिव कुमार चौहान, विनय थपलियाल, डॉ. जे.सी. आर्य, मोहन चंद्र पांडे सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अतिथियों को प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बत्रा ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। प्रतियोगिता के पहले दिन अंडर-13 आयु वर्ग की स्पर्धाएं आयोजित की गई।

एक नजर

पुलिस से बदसलूकी पड़ी भारी: पति-पत्नी समेत तीन पर मुकदमा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। सोमवती अमावस्या स्नान पर्व के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ अभद्रता और यातायात व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करना ऑडी कार सवार तीन लोगों को महंगा पड़ गया। हरिद्वार पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पति-पत्नी समेत तीन आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी लग्जरी ऑडी कार को सीज कर दिया है। पुलिस का कहना है कि कानून की नजर में सभी समान हैं और किसी को भी नियमों की अवहेलना करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पुलिस के अनुसार 14 जून को वीकेंड और सोमवती अमावस्या स्नान पर्व के चलते हरिद्वार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए शहर में विशेष डायवर्जन योजना लागू की गई थी। देशरक्षक तिराहे पर तैनात पुलिसकर्मी वाहनों को निर्धारित मार्ग से बैरागी कैंप पार्किंग की ओर भेज रहे थे ताकि मुख्य मार्गों पर जाम की स्थिति न बने।

इसी दौरान ऑडी कार संख्या सीजी 08 एएम 0001 वहां पहुंची। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने वाहन चालक को निर्धारित डायवर्जन मार्ग से जाने के लिए कहा, लेकिन कार में सवार दो पुरुष और एक महिला इस बात पर भड़क गए। आरोप है कि उन्होंने पुलिसकर्मियों के साथ गाली-गलौज की, अभद्र व्यवहार किया और धक्का-मुक्की तक कर डाली।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विवाद के चलते कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ और मौके पर जाम की स्थिति बन गई। पुलिसकर्मियों और आसपास मौजूद लोगों ने आरोपितों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने किसी की बात नहीं सुनी और कथित रूप से धमकी देते हुए वहां से चले गए।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हरिद्वार पुलिस हरकत में आई। मामले की जांच के बाद थाना कनखल में मुकदमा दर्ज किया गया और आरोपितों की तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए श्यामपुर क्षेत्र में वाहन को चिन्हित कर रोक लिया तथा ऑडी कार को सीज कर दिया।

पुलिस द्वारा जिन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है, उनमें क्षतिज बाली, उनकी पत्नी तथा संकेत बाली, निवासी वाणी विहार, उत्तम नगर, नई दिल्ली शामिल हैं। सभी के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की गयी।

पुलिस का कहना कि चाहे कोई आम नागरिक हो या लग्जरी वाहन में सफर करने वाला व्यक्ति, कानून का पालन सभी के लिए समान रूप से अनिवार्य है। सोमवती अमावस्या जैसे बड़े स्नान पर्वों के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करना पुलिस की प्राथमिकता है। ऐसे में ड्यूटी पर तैनात कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार और नियमों की अनदेखी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जागेश्वर धाम जा रहे श्रद्धालुओं की मैक्स खाई में गिरी, चार बच्चों समेत 11 घायल

पथ प्रवाह, धौलछीना। जागेश्वर धाम के दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं से भरी एक मैक्स वाहन मंगलवार दोपहर बाड़ेछीना-शेराघाट मोटर मार्ग पर दुर्घटनाग्रस्त होकर खाई में जा गिरी। हादसे में चार बच्चों समेत कुल 11 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बाड़ेछीना पहुंचाया गया, जहां से दो महिलाओं को गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर किया गया।

जानकारी के अनुसार, टनकपुर मेले में दुकान लगाने के बाद श्रद्धालु परिवार सहित कैंची धाम और जागेश्वर धाम के दर्शन के लिए निकले थे। वाहन बाड़ेछीना पहुंचने के बाद चालक भूलवश जागेश्वर मार्ग की बजाय धौलछीना मार्ग पर मुड़ गया। बाड़ेछीना से करीब एक किलोमीटर आगे बाड़ेछीना-शेराघाट मोटर मार्ग पर वाहन संख्या च03ङ0097 अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण, पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। राहत एवं बचाव कार्य चलाकर सभी घायलों को खाई से निकालकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बाड़ेछीना पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल दो महिलाओं पूर्णिमा शुक्ला और दीपाली तिवारी को बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया।

घायलों में दिनेश कुमार शुक्ला (62), प्रतिमा शुक्ला (50), पूर्णिमा शुक्ला (24), स्नेहा शुक्ला (23), अमित तिवारी (32), दीपाली तिवारी (25), दिव्यांश तिवारी (5) एवं शिवांश तिवारी (2), सभी निवासी कानपुर, उत्तर प्रदेश, जबकि ममता कौशल एवं मानवी कौशल निवासी अयोध्या, उत्तर प्रदेश शामिल हैं। दुर्घटनाग्रस्त वाहन के चालक शेर सिंह (56) पुत्र गुमान सिंह, निवासी मोहनपुर, जिला चम्पावत भी हादसे में घायल हुए हैं।

स्थानीय लोगों की तत्परता और प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से सभी घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सका। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। यात्रियों के अनुसार वे टनकपुर मेले की समाप्ति के बाद परिवार सहित उत्तराखंड के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए निकले थे, तभी यह हादसा हो गया।

गौरक्षा कानून की मांग को लेकर हरिद्वार से दिल्ली तक निकलेगी विशाल कांवड़ यात्रा

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

महावतार बालाजी ट्रस्ट ने राष्ट्रीय स्तर पर गौरक्षा कानून लागू करने की मांग को लेकर शिवरात्रि के अवसर पर हरिद्वार से दिल्ली तक विशाल कांवड़ यात्रा निकालने की घोषणा की है। ट्रस्ट के अध्यक्ष नवीन कुमार घनघस ने प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि यह यात्रा हरिद्वार से दिल्ली के रामलीला मैदान और जंतर-मंतर तक निकाली जाएगी।

उन्होंने बताया कि 11 अगस्त को सेवा तीर्थ में भगवान शिव का गंगाजल से विधिवत जलाभिषेक किया जाएगा तथा देश की उन्नति, समाज के कल्याण और सभी जीवों की रक्षा के लिए प्रार्थना की जाएगी। यात्रा का मुख्य उद्देश्य पूरे देश में गौरक्षा कानून लागू करने, पशुओं पर हो रहे अत्याचारों को रोकने और जीवों के साथ यौन उत्पीड़न के खिलाफ कठोर कानून बनाने के लिए जनजागरण करना है।

नवीन कुमार घनघस ने कहा कि जल, जंगल, जमीन और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। साथ ही महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने तथा किसानों एवं आदिवासी समुदाय को उचित सम्मान देने की भी आवश्यकता है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से गौ संरक्षण एवं संवर्धन के लिए ठोस नीतियां बनाने, गौहत्या पर देशव्यापी प्रतिबंध लगाने तथा राष्ट्रीय स्तर पर गौ सुरक्षा कानून लागू करने की मांग की।

इस अवसर पर आशु मलिक ने कहा कि पशुओं पर होने वाले अत्याचारों पर तत्काल रोक लगनी चाहिए और गौ माता को राष्ट्रीय माता घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रस्तावित कांवड़ यात्रा समाज में जनचेतना जागृत करने का कार्य करेगी तथा युवाओं को गौ सेवा, राष्ट्र सेवा और देशभक्ति के प्रति प्रेरित करेगी। पत्रकार वार्ता में ऋषि कुमार और हिमांशु चौहान सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

विकासनगर की घटना में शामिल दोषियों पर हो कठोर कार्रवाई: रविदेव

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

विश्व हिन्दू परिषद उत्तराखण्ड के प्रदेश अध्यक्ष रविदेव आनंद ने देहरादून जनपद के विकासनगर क्षेत्र अंतर्गत वैरागीवाला में भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय नेता एवं हिन्दू समाज के सक्रिय कार्यकर्ता विनोद कश्यप की नृशंस निर्मम हत्या की घटना पर गहरा दुःख एवं आक्रोश व्यक्त किया है। जारी बयान में उन्होंने कहा कि जिस प्रकार मामूली विवाद में सुनियोजित षड्यंत्रपूर्वक संगठित भीड़ द्वारा घर में घुसकर विनोद कश्यप पर जानलेवा हमला किया गया तथा उनकी हथौड़ों से पीट-पीटकर निर्मम हत्या कर दी गई, वह उत्तराखण्ड जैसे शांतिप्रिय प्रदेश के लिए अत्यंत चिंताजनक एवं दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। यह घटना कानून व्यवस्था को खुली चुनौती देने वाली है तथा समाज में भय एवं असुरक्षा का वातावरण उत्पन्न करने का प्रयास प्रतीत होती है।

रविदेव आनंद ने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद इस दुःख की घड़ी में शोकसंतप्त परिवार के साथ पूर्ण संवेदना एवं दृढ़ता के साथ खड़ी है। विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता पीड़ित परिवार को हर संभव सामाजिक, नैतिक एवं कानूनी सहयोग प्रदान करेंगे।

उन्होंने उत्तराखण्ड सरकार एवं स्थानीय प्रशासन से मांग की है कि इस जघन्य हत्याकांड में सम्मिलित सभी आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई करने के साथ पीड़ित परिवार की सुरक्षा एवं समुचित आर्थिक सहायता की व्यवस्था भी की जाए।

विश्व हिन्दू परिषद उत्तराखण्ड का मानना है कि प्रदेश में सामाजिक सौहार्द एवं कानून के शासन को बनाए रखने के लिए ऐसे अपराधों के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई जानी चाहिए।

पिस्टल के दम पर दहशत फैलाने वालों पर एसएसपी का प्रहार, मुख्य आरोपी सहित दो गिरफ्तार

पथ प्रवाह, उधमसिंह नगर।

मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड के अपराधमुक्त एवं भयमुक्त उत्तराखण्ड के संकल्प को साकार करने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधम सिंह नगर अजय गणपति के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत रुद्रपुर पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। पिस्टल के बल पर एक परिवार को धमकाने, रिहायशी क्षेत्र में अराजकता फैलाने एवं दहशत का माहौल बनाने वाले मुख्य आरोपी सहित दो अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक बीती 10 जून को चौकी आदर्श कॉलोनी क्षेत्र से सूचना प्राप्त हुई कि कुछ व्यक्तियों द्वारा एक घर पर पहुंचकर हो-हल्ला करते हुए परिवार को धमकाया गया तथा पिस्टल दिखाकर भय का वातावरण बनाया गया। स्थानीय लोगों के विरोध करने पर एक आरोपी पिस्टल फेंककर मौके से फरार हो गया। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल से एक लोडेड .30 बोर पिस्टल एवं .30 बोर के 06 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। जांच के दौरान ज्ञात हुआ कि आदर्श कॉलोनी निवासी तरुण दियू उर्फ सन्नी के भाई कपिल द्वारा लगभग एक माह पूर्व आत्महत्या की गई थी। परिजनों द्वारा अपने घर के सामने एसी की दुकान संचालित करने वाले रमन कक्कड़ को उक्त घटना के लिए जिम्मेदार माना जा रहा था। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद चल रहा था। बीती 10 जून को रमन कक्कड़, उसके भाई रवि कक्कड़ एवं उनके अन्य साथियों द्वारा सन्नी के परिवार के साथ विवाद किया गया। आरोपियों के साथ आए एक व्यक्ति द्वारा पिस्टल दिखाकर परिवार को धमकाया गया। शोर-शराबा होने पर स्थानीय लोग मौके पर एकत्र हो गए, जिसके बाद आरोपी मौके से भागने लगे। पीछा किए जाने पर एक आरोपी द्वारा पिस्टल फेंक दी गई, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया।

एसएसपी के निर्देश पर गठित हुई विशेष टीमें

घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति द्वारा अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमों का गठन किया गया। अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी गई, संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई तथा मुखबिर तंत्र एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उनकी तलाश की जा रही थी। पुलिस जांच में यह भी जानकारी प्राप्त हुई कि आरोपी पुनः पीड़ित पक्ष को नुकसान पहुंचाने की योजना बना सकते हैं। गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदल रहे थे। पुलिस के मुताबिक बीती 15 जून को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि मुख्य आरोपी रमन कक्कड़ एवं पिस्टल लेकर आने वाला आरोपी दीपक कुमार रामपुर (उत्तर प्रदेश) के खानपुर गांव की ओर जाने वाले मार्ग पर मौजूद हैं। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए बाजार चौकी, आदर्श कॉलोनी चौकी एवं रम्पुरा चौकी पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ में अभियुक्तों ने ये जानकारी

पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा घटना में शामिल अन्य व्यक्तियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है। फरार आरोपियों की तलाश एवं गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमों द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा जा रहा है। 'ऑपरेशन प्रहार के तहत जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई निरंतर जारी है। कानून व्यवस्था को चुनौती देने, हथियारों के बल पर दहशत फैलाने तथा आमजन की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। '

संपादकीय

ट्रंप की हां नेतन्याहू की ना ईरान की वाह-वाह

ईरान और अमेरिका के बीच शांतिवार्ता सफल हुई, अब शुक्रवार अर्थात जुम्मे के दिन समझौते पर हस्ताक्षर होने की बात कही जा रही है। इस समझौते को लेकर सारी दुनिया के देशों में एक सुखद प्रतिक्रिया देखने को मिली है। वहीं इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की प्रतिक्रिया इस समझौते को लेकर ना वाली है। जिसके कारण ईरान और अमेरिका के बीच जो समझौता हुआ है उस पर हस्ताक्षर होने के पहले ही विवादों में फंस गया है। ऐसा लगता है अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऊपर इन दिनों शनि, राहु और केतु की क्रुद्ध दृष्टि है, जिसके कारण वह जो सोचते हैं ठीक उसके विपरीत होता है। समय और काल का प्रभाव पूरे ब्रह्मांड में रहता है, यही कारण है दुनिया के सबसे शक्तिशाली राष्ट्र अमेरिका के राष्ट्रपति को यह दिन देखना पड़ रहे हैं। वह ईरान के साथ युद्ध से बाहर निकलने के लिए अभी तक कई प्रयास कर चुके हैं। 40 बार से अधिक दफा झूठ बोल चुके हैं। उसके बाद भी वह इस युद्ध की विभीषिका से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। हाल ही में जी7 के सम्मेलन में भी उन्हें अपने सहयोगी देशों से सहयोग नहीं मिला, जिसकी वह आशा करके जी7 के सम्मेलन में गए थे। जिस तरह से निकाह में लड़की से पूछा जाता है कि तुम निकाह के लिए राजी हो या नहीं, इस अवसर पर काजी उपस्थित रहता है लड़की यदि हां कर देती है, इसके बाद काजी साहब निकाह की रस्म अदा करते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समझौते पर इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू हां नहीं कर पाए हैं। यही वजह है कि शांति समझौते को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जो प्रयास किए गए थे वह सब निष्फल होते हुए नजर आ रहे हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री ने कहा कि इजरायल स्वतंत्र राष्ट्र है इस पर यह समझौता लागू नहीं किया जा सकता है। इजराइल अमेरिका का गुलाम नहीं है। ऐसा कहकर उन्होंने अपनी तीव्र प्रक्रिया सार्वजनिक रूप से जाहिर कर दी है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ग्रह दशा इन दिनों बड़ी खराब चल रही है। उनके साथ उनके ही विश्वासपात्र लोग विश्वासघात कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में डोनाल्ड ट्रंप समझ नहीं पा रहे हैं वह करें तो क्या करें। ईरान जैसा देश जिसके ऊपर अमेरिका और यूरोप के देशों ने पिछले 47 वर्षों से तरह-तरह के प्रतिबंध लगा रखे थे ईरान हर प्रतिबंध को झेल रहा था। उसने कभी किसी के ऊपर, कोई हमला नहीं किया। वह अमेरिका के खिलाफ ऐसा लड़ेगा यह तो अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और दुनिया के किसी भी देश ने नहीं सोचा था। फरवरी माह से जो युद्ध शुरू हुआ था उसकी परिणति इस रूप में होगी यह ना तो अमेरिका ने सोचा था ना ही इजराइल ने सोचा था। इस सारे विवाद में ईरान की जैसे लॉटरी खुल गई है। ईरान की जो संपत्तियां जप्त की गईं थीं, ईरान के जो पैसे जप्त किए गए थे, उन सबको लौटाने की जिम्मेदारी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खाड़ी के देशों पर डालना चाहते हैं। अरब देशों की रक्षा अमेरिका नहीं कर पाया, अब सब ईरान के साथ सहयोग करके अपने आप को बचाने में लगे हुए हैं। कहा तो यह भी जा रहा है, कि यूएई ने भी ईरान के साथ समझौता कर लिया है। ऐसी स्थिति में ईरान की किस्मत पलट गई है। पिछले 4 दशकों से ईरान की जनता ने जो दुख भोगे थे वह अब खत्म होने की कगार पर आ गए हैं। ईरान के अच्छे दिन अब शुरू हुए हैं। इजराइल के खराब दिन अब शुरू होना प्रारंभ हो गए हैं। इस युद्ध में इजराइल में जो बर्बादी हुई है वह किसी से छिपी हुई नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप और नेतन्याहू ने जो सोचा था। ठीक उसके विपरीत परिणाम देखने को दोनों को मिल रहे हैं। अमेरिका और इजराइल दोनों की मति खराब हो गई है, जब उन्हें मिलकर निर्णय करना था उस समय वह एक दूसरे के खिलाफ खड़े हुए हैं। इससे दोनों को नुकसान होना तय है। फिलिस्तीन और गाजा में इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु ने जो नरसंहार किया था। महिलाओं और बच्चों को भी बेरहमी से मारा गया था।

बिखरती ख़्वाहिशें और हमारा कर्तव्य

डॉ योगेन्द्र

अभिजीत दीपके प्लांटेड हैं या फिर युवाओं के आक्रोश को शब्द देने आये हैं, मालूम नहीं, लेकिन उन्हें शांतिपूर्ण ढंग से सभा करने या जुलूस निकालने का पूरा हक है। अभिजीत दीपके पर थप्पड़ चलाने वाला खुद को राष्ट्रवादी बता रहा था। उसकी प्रोफ़ाइल जब खँगाला गया तो वह आरएसएस से जुड़ा हुआ है।

आरएसएस के राष्ट्रवाद मुसलमान और पाकिस्तान से शुरू होता है और उस पर ख़त्म हो जाता है। उनके अंदर खाने में जातिवाद की खिचड़ी पकती रहती है। यही वजह है कि उन्होंने कभी जातिवाद के ख़िलाफ़ संघर्ष नहीं किया। हिन्दू एकता की बात की, लेकिन यह एकता मुस्लिमों के खिलाफ रहेगी। अंदर ब्राह्मणों की सर्वोच्चता बनी रहेगी और दलितों की स्थिति दोयम दर्जे की रहेगी। उसमें इंसान को केंद्र में रख कर कभी संघर्ष नहीं किया। कहने को वह स्वदेशी है, लेकिन अपने संगठन को मुसोलिनी के संगठन के तर्ज़ पर बनाया।

बाक़ायदा हिंदू महासभा के नेता और आरएसएस के मार्ग दर्शक डॉ बी एस मुंजे ने 1931 में मुसोलिनी से मुलाक़ात की थी। यहां तक कि गोलवलकर ने अपनी पुस्तक ' वी आर आवर नेशनहुड ' में जर्मनी और इटली के फासीवादी विचारों का समर्थन किया है। गांधी जी की हत्या गोडसे ने की। उसका संबंध आरएसएस से था, लेकिन इस संगठन ने कभी स्वीकार नहीं किया। आज एक फ़र्ज़ी राष्ट्रवादी अभिजीत दीपके पर थप्पड़ मारता है, उसका संबंध भी आरएसएस से है, लेकिन आरएसएस कभी स्वीकार नहीं करेगा। यह इसलिए संभव है कि लिखित रूप से आरएसएस का कोई सदस्य नहीं है।

मोहन भागवत भी शायद ही आरएसएस के लिखित रूप से सदस्य होंगे। उसका कोई सदस्यता फ़ार्म नहीं है। लाठी पैना लेकर हज़ारों की संख्या में वे जमा होते हैं, मार्च करते हैं, लेकिन वे लिखित रूप से आरएसएस के नहीं हैं, इसलिए कोई जब आपराधिक घटना करता है, उससे पीछा छुड़ाना आसान है। यह धूर्तई कोई ईमानदार संगठन नहीं कर सकता। इसकी बुनियाद में ही बेईमानी और असत्य है, तब भला वह ईमानदार कार्यकर्ता कैसे पैदा करेगा? जिसका मक़सद झूठ हो, वह राष्ट्रवादी कैसे हो सकता है? प्रधानमंत्री पीएम केयर फ़ंड को यों ही छुपाए हुए नहीं हैं। उनका मातृ संगठन अरबों का खेल करता है, लेकिन कोई खाता-बही नहीं है। वह बीजेपी की सरकार चलाता है। सरकारी पैसे से बनी जेड सुरक्षा श्रेणी का उपभोग करता है, लेकिन आरएसएस सरकार को कोई हिसाब किताब नहीं देगा, क्योंकि वह व्यक्तियों का समूह है।

शांतिपूर्ण आंदोलन करने का हक सभी को है- बीजेपी, कांग्रेस, सपा, अन्य कोई संगठन या व्यक्ति- सभी को। अभिजीत दीपके के पीछे लोग षड्यंत्र थ्योरी देखनेवाले लोगों की संख्या कम नहीं है, लेकिन उसे शांतिपूर्ण आंदोलन करने से कोई नहीं रोक सकता। दुर्भाग्य यही है जिस देश में अहिंसा के पुजारी को गोली मार कर लोग गौरवान्वित होते हैं, उस देश को बहुत कुछ सीखने की ज़रूरत है। मौजूदा परिस्थिति में सड़क पर उतरने के सिवा रास्ता क्या है? कोर्ट आप जा नहीं सकते। उससे कोई उम्मीद बची नहीं। विधायिका की लूट सरेआम हो रही है। वोट लूट से सांसद लूट तक। चुनाव आयोग बिका हुआ है। सरकार की इच्छानुसार वोटर काटे और बनाए जा रहे हैं। सेना तक का दुरुपयोग हो रहा है। कार्यपालिका तो हर वक्त सत्ता के साथ रहती ही है।आर्थिक आज़ादी की गारंटी संविधान ने दी नहीं थी।

वीरता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के अमर प्रतीक

कांतिलाल मांडोत

भारत के इतिहास में अनेक ऐसे महापुरुष हुए हैं जिन्होंने अपने साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम से आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का मार्ग प्रशस्त किया। ऐसे ही महान योद्धाओं में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। महाराणा प्रताप केवल मेवाड़ के शासक ही नहीं थे, बल्कि वे भारतीय स्वाभिमान, स्वतंत्रता और अदम्य साहस के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण मातृभूमि, संस्कृति और सम्मान की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। यही कारण है कि सदियों बाद भी उनका नाम करोड़ों भारतीयों के हृदय में श्रद्धा और गौरव के साथ लिया जाता है।

महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुंभलगढ़ दुर्ग में हुआ था। वे मेवाड़ के सिसोदिया राजवंश के महान शासक थे। उनके पिता महाराणा उदयसिंह द्वितीय और माता जयवंता बाई थीं। बचपन से ही प्रताप में वीरता, नेतृत्व क्षमता और स्वाभिमान के गुण दिखाई देने लगे थे। कहा जाता है कि उन्होंने अपनी माता से ही साहस, शौर्य और युद्धकला की प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की थी। आगे चलकर यही गुण उन्हें भारतीय इतिहास के सबसे महान योद्धाओं में शामिल करने वाले बने।

महाराणा प्रताप की जयंती को लेकर देशभर में विशेष उत्साह रहता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार उनका जन्म 9 मई 1540 को हुआ था, इसलिए अनेक स्थानों पर इसी दिन जयंती समारोह आयोजित किए जाते हैं। वहीं मेवाड़ क्षेत्र में सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार उनकी जयंती हिन्दू पंचांग की ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया तिथि को मनाई जाती है। वर्ष 2026 में यह तिथि 17 जून को पड़ रही है। मेवाड़ के लोगों के लिए यह केवल एक जयंती नहीं बल्कि अपनी गौरवशाली विरासत और संस्कृति का उत्सव है।

महाराणा प्रताप का जीवन संघर्षों से भरा हुआ था। जब वे मेवाड़ के शासक बने, उस समय मुगल सम्राट अकबर अपनी सत्ता का विस्तार कर रहा था। अधिकांश राजपूत राजाओं ने अकबर की अधीनता स्वीकार कर ली थी, लेकिन महाराणा प्रताप ने अपने स्वाभिमान और स्वतंत्रता से कभी समझौता नहीं किया। अकबर ने कई बार दूत भेजकर उन्हें अपनी अधीनता स्वीकार करने का प्रस्ताव दिया, किंतु प्रताप ने हर बार उसे अस्वीकार कर दिया। उनका मानना था कि मातृभूमि की स्वतंत्रता किसी भी कीमत पर नहीं बेची जा सकती।

महाराणा प्रताप और अकबर के बीच संघर्ष का सबसे प्रसिद्ध अध्याय हल्दीघाटी का युद्ध है। 18 जून 1576 को राजस्थान के गोगुंदा के समीप हल्दीघाटी में यह ऐतिहासिक युद्ध लड़ा गया। महाराणा प्रताप के पास सीमित संसाधन और अपेक्षाकृत छोटी सेना थी, जबकि मुगल सेना संख्या और साधनों में कहीं अधिक शक्तिशाली थी। इसके बावजूद प्रताप और उनके सैनिकों ने अद्भुत साहस का परिचय दिया। इस युद्ध में भील समुदाय ने भी महाराणा का पूरा साथ दिया। युद्ध कई घंटों तक चला और रणभूमि वीरता की असंख्य गाथाओं की साक्षी बनी।

हल्दीघाटी के युद्ध का कोई निर्णायक परिणाम नहीं निकला, लेकिन इस युद्ध ने यह सिद्ध कर दिया कि स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए लड़ी जाने वाली लड़ाई केवल संख्या या संसाधनों के आधार पर नहीं जीती जाती। महाराणा प्रताप घायल होने के बावजूद जीवित बचे और संघर्ष जारी रखा। उनका प्रिय घोड़ा चेतक भी इस युद्ध में अपनी अद्भुत स्वामीभक्ति के कारण अमर हो गया। चेतक ने गंभीर रूप से घायल होने के बाद भी अपने स्वामी को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया और फिर वीरगति को प्राप्त हुआ। आज भी चेतक का नाम निष्ठा और समर्पण के प्रतीक के रूप में लिया जाता है।

हल्दीघाटी के युद्ध के बाद महाराणा प्रताप ने हार नहीं मानी। उन्होंने अरावली की पहाड़ियों, जंगलों और दुर्गम क्षेत्रों में रहकर संघर्ष जारी रखा। कई बार उन्हें और उनके परिवार को अत्यंत कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। भोजन के अभाव में घास की रोटियां तक खानी पड़ीं, लेकिन उन्होंने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि सच्चा नेतृत्व विपरीत परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करता।

महाराणा प्रताप की सबसे बड़ी विशेषता उनका अटूट आत्मसम्मान था। उन्होंने जीवनभर स्वतंत्रता को सर्वोच्च महत्व दिया। वे जानते थे कि संघर्ष कठिन है, फिर भी उन्होंने अपने लोगों और अपनी संस्कृति की रक्षा के लिए हर चुनौती स्वीकार की। यही कारण है कि उनका नाम भारतीय इतिहास में स्वतंत्रता के अग्रदूतों में लिया जाता है।

महाराणा प्रताप का राजतिलक उदयपुर के निकट गोगुंदा में हुआ था। यह स्थान आज भी राजतिलक स्थली के रूप में प्रसिद्ध है। इतिहास और संस्कृति से जुड़े लोगों के लिए यह स्थल अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर यहां विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। श्रद्धालु और इतिहास प्रेमी बड़ी संख्या में पहुंचकर महान योद्धा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

हल्दीघाटी के समीप स्थित यह क्षेत्र आज भी महाराणा प्रताप की गौरवगाथा को जीवंत बनाए हुए है।

राम मंदिर में दानपात्र में गड़बड़ी हुई है तो उसपर विश्वास करें आपस में ना लड़े

संजय गोस्वामी

राम मंदिर अयोध्या में 500 सालों के बाद बना और समाज बादी पार्टी के नेता श्री अखिलेश यादव ने दान सम्पति पर करोड़ो के गबनहोने का आरोप लगा लिया है। इस मामले में अब गजब का माहौल देखने को मिल रहा है इसमें अब तक दो आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है, उनके पास से लाखों रुपये की बरामदगी भी कई है। मामला बढ़ने के बाद जांच तेज कर दी गई इस मामले पर चिंता जताने वाले नेताओं में अब ,सीनियर बीजेपी नेता और राम जन्मभूमि आंदोलन के अनुभवी नेता विनय कटियार भी शामिल हो गए हैं।रविवार को अपने घर पर पत्रकारों से बात करते हुए कटियार ने कहा कि अगर ट्रस्टी खुद ही गड़बड़ी में शामिल पाए जाते हैं, तो इससे मंदिर प्रोजेक्ट का मकसद ही क्या ।कटियार ने कहा कि प्रधानमंत्री के हस्तक्षेप के बाद इस मामले में एसआईटी गठित की गई है और अब दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा इसमें मंदिर के ट्रस्टी चंपत को कटघरे में खड़ा किया जा रहा है बाद में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ। अनिल मिश्रा और परिसर व्यवस्थापक गोपाल राव हैं, जिन पर मंदिर व्यवस्था की जिम्मेदारी होने की बात कही जा रही है। जानकारी के अनुसार 7 जून को चढ़ावे की गिनती के दौरान एक कर्मचारी सीसीटीवी में नोटों की गड्डी छिपाते हुए दिखाई दिया ऐ सब का ध्यान भगवान राम पर नहीं बल्कि उस धन पर टीका है जो किसी ने दान किया होगा अब आप इस मुद्दे पर आपस में ही लड़ेंगे तो दूसरे लोग आपके धर्म का मज़ाक उड़ा देंगे इससे राम के नाम पर एक विश्वास टूटेगा भगवान हैं राम अगर किसी ने करोड़ का दान दिया तो खुश होंगे ऐसा बिलकुल नहीं है वो सेवा के प्रति अपने को मर्यादा में रहने की शक्ति देते हैं आखिर क्यों दिया भगवान राम जो दुनिया को चला रहें हैं वो पैसे के मोहताज होंगे इसी पैसे से गरीबों को बाँट देते तो सार्थक होता खैर जहाँ तक पैसा चुराने की बात है वो अंत में पैसा लेकर कहाँ जाएगा सब यहीं रहने वाला है इसलिए इस पर विवाद से बचना चाहिए आप समझदार बनो दूसरे के दुःख में काम आओ और इंसान बनने की कोशिश करे जो भगवान राम का सच्चा भक्त है वो यहाँ नहीं कहीं एकांत में उनका ध्यान कर रहा होगा और भगवान राम जब रावण को हराकर अयोध्या आए थे तो श्रीराम ने हनुमानजी की सहायता से लंका के राजा रावण को हराया था। और युद्ध जीतने के बाद वह सीता माता, लक्ष्मण जी, हनुमानजी और अपने दूसरे साथियों के साथ अयोध्या पहुँचे। जब वह अयोध्या के राजा बने तब सीता माता ने उनसे निवेदन किया कि जिन्होंने भी युद्ध जीतने में उनकी सहायता की है वह उन्हें धन्यवाद के रूप में कुछ भेंट देना चाहती हैं। सीता माता ने सबको कुछ न कुछ अनमोल भेंट दी। अब हनुमानजी की बारी थी। श्रीराम मुस्कुराते हुए बोले, 'आप भला हनुमान को क्या भेंट देंगी? इनकी निस्वार्थ सेवा और भक्ति का तो कोई मोल हो ही नहीं सकता।' माता सीता ने फिर भी अपनी एक मोतियों की माला, हनुमानजी को भेंट में दी। हुनमानजी उस माला के एक-एक मोती को दाँतो से तोड़कर देखा और ज़मीन पर फ़ेंक दिया। सीता माता ने हनुमानजी से पूछा, 'आपने ऐसा क्यों किया हनुमान? क्या आपको यह माला पसंद नहीं आई?' 'ऐसी बात नहीं है माता, पर यह भेंट मेरे किसी काम की नहीं, क्योंकि इसमें मुझे मेरे प्रभु राम नहीं दिखे। अगर मोतियों में राम नहीं तो इनका मोल मेरे लिए मिट्टी के समान है।' 'तो क्या आपके अंदर राम हैं?' सीता माता ने पूछा। सीता माता के ऐसा कहते ही हनुमानजी ने अपना सीना चीर कर सबको अपने हृदय में बसे राम-सीता की छवि के दर्शन कराए। जैसे हनुमानजी ने श्रीराम का कार्य किसी उपहार के लालच में नहीं किया बल्कि इसलिए किया क्योंकि श्रीराम की सेवा करके उन्हें आनंद मिलता था। वैसे ही क़ोई किसी चीज के लालच में ना पड़े भगवान राम का सच्चा भक्त ब्रह्मचारी होता है क्योंकि उसका प्रेम राम से है ऐ आपके सामने की कई घटना जो रामरहीम से लेकर आशाराम बापूजी तक है जो ब्रह्मचारी बनने का पाठ पढ़ाते थे आज उस नियम को तोड़ कर काम के वश में आ गए और अब जेल में अदालत के फैसला से गए हैं अतः पता नहीं ऐसे कितने बाबा होंगे जो धर्म की आड़ लेकर झूठ बोलकर आपको कुछ बताता होगा और वो भी कहीं उसी जाल में तो नहीं है? भगवान राम से सबसे बड़ी शिक्षा लेने की यह जरुरी है सच बोलो झूठ का सहारा नहीं नहीं तो एक झूठ से बचने के लिए हजार झूठ बोलना पड़ेगा और आपकी नींद ख़राब बौगी सेहत पर बुरा असर पड़ेगा राम सेवा सत्य और प्रेम में विश्वास रखते हैं एक तरफ आपके पास भौतिक बस्तु का जाल पड़ेगा फिर आप फंस इसलिए जाते हो कि ऐ सामर्थ नहीं है कि उसी के लिए जीना और उसी के लिए मरना और जब तक काम के बंधन से मुक़्त नहीं होंगे तब तक उसके लिए आप गलत काम भी कर देते हैं आपको यह अहसास नहीं होता है कि जिस माता पिता ने आपको पालन पोषण किया हैं उनको बुढ़ापे में अकेले इसलिए छोड़ देते हो कि मेरी पत्नी प्यारी है और मैं उसके साथ काम में वशीभत हो ताकि उसके साथ मजे कर सकूँ इसलिए आप भगवान राम के लाख पूजा करनेपर भी उसका प्रकाश नहीं दीखता जब दिखेगा तो फिर उसमें विलीन होने की इक्छा होगी क्योंकि वो इतना तेज है कि बाली को मोक्ष मिला और गोस्वामी तुलसीदास जी ने जब स्त्री का मोह त्याग दिया तब वो राम चरित्र मानस लिखा और दुनिया को हिंदी में भगवान राम का उपदेश सबको इसलिए बताया क्योंकि यह आपको संकट से बचाता है आपको गलत और सही का फर्क मालूम होता है

एक बार मेरे पिताजी का हाथ फिसलने से टूट गया मैं मुंबई से पटना तुरंत पहुँचा वहाँ जब पिताजी को देखा तो दर्द से कराह रहें थे किसी ने बहुत ही भरोसा से बोला कि यह डॉक्टर बहुत बढ़िया है पिताजी ने विश्वास किया और जब डॉक्टर के पास गए तो वहाँ मेरी माँ भी थी माँ का एक बेटा अपनी माँ का टुटा हुआ हाथ के इलाज के लिए आया था वो बहुत कराह रही थी बाद में उसके लड़के ने बताया कि मेरा भाई ही औरत की बात में आकर माँ को मार कर इसका हाथ तोड़ दिया है मुझे बहुत दुःख हुआ कि आखिर माँ ने ऐसा क्या किया जो जान लेने पर उतारु है ऐ उसका एक नालायक बच्चा ही होगा ऐसे आजकल एक नहीं कई मामले हैं जो कोरोना काल में आपने देखा होगा देखो पहला भगवान ऊपर वाला है और अगर क़ोई दूसरा भगवान है तो आपके माता पिताजी ही हैं कुछ भी बोले उनकी बात पर गुस्सा नहीं होना नहीं तो दुनिया से जाने के बाद आपको बहुत तकलीफ होगा कौन सही हैं कौन गलत इसका पता भगवान राम के ध्यान से ही मालूम होगा और भगवान राम के ध्यान के लिए में आपको ब्रह्मवर्चस के नियम को पालन करना होगा ब्रह्मवर्चस का शाब्दिक अर्थ ब्रह्म का तेज या दिव्य आभा है।

एक नजर

भाजपा स्वयं सहायता समूह की प्रदेश सह संयोजक सरिता त्रिपाठी का किया स्वागत

पथ प्रवाह, हरिद्वार। भाजपा स्वयं सहायता समूह की प्रदेश सह संयोजक नियुक्त की गयी सरिता त्रिपाठी का राष्ट्रीय व्यापार मंडल के शिवालिक नगर स्थित प्रदेश कार्यालय पर आतिशबाजी, ढोल नगाड़ों की थाप, पुष्पवर्षा और फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर कार्यकर्ता को सम्बोधित करते हुए व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजीव चौधरी ने कहा कि भाजपा हर वर्ग को साथ लेकर चलती है। इसलिए निरंतर प्रदेश और देश में भाजपा की सरकार वापसी कर रही है। चौधरी ने भाजपा नेतृत्व का धन्यवाद करते हुए कहा कि राष्ट्रीय व्यापार मंडल देश भक्त व्यापारियों का संगठन है और प्रदेश के चहुमुखी विकास के लिए सरकार के साथ खड़ा है। नवनियुक्त प्रदेश सह संयोजक स्वयं सहायता समूह सरिता त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा ने जिस विश्वास के साथ उन्हें जिम्मेदारी प्रदान की है। उसका पूरी निष्ठ से पालन करेंगी। देश हित में भाजपा का सरकार में रहना अति आवश्यक है। देश को उन्नति व विकास के मार्ग पर चलने के लिए भाजपा की सरकार की पुनः वापसी जरूरी है। किसान मोर्चा के नवनियुक्त जिला कोषाध्यक्ष पुष्पेंद्र गुप्ता ने कहा कि भाजपा व्यापारी, किसान, मजदूर सहित हर वर्ग को साथ लेकर चलती है। पार्टी की सबका साथ सबका विकास नीति को आगे बढ़ायेंगे और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। किसान मोर्चा के नवनियुक्त जिला सदस्य नरेन्द्र चौहान ने कहा कि आगामी चुनाव में प्रदेश में पुनः भाजपा की सरकार बनाने के लिए कार्य करेंगे। इस अवसर पर मुख्य रूप से शहर अध्यक्ष पंकज सवन्नी, विजय धीमान, संजीव कुमार, राजकिरन, संतोष यादव, रिम्पी गर्ग, बसंत कुमार, अविनाश ठाकुर, श्याम धीमान, प्रवीण सक्सेना, अरविंद कुमार, रवीश कुमार, अरविन्द चौहान, नरेंद्र चौहान, दीपक राणा, ललित आदि मौजूद रहे।

साईकिल से सद्भावना यात्रा पर निकले कर्नाटक के नागराज गोड़ा पहुंचे हरिद्वार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। विश्व शांति, देश भक्ति, गौ सेवा, पानी बचाओ हरियाली बढ़ाओ एवं सनातन संस्कृति के प्रचार प्रसार के लिए 6 वर्षों से लगातार साईकिल पर सद्भावना यात्रा कर रहे कनार्टक के नागराज गोड़ा मंगलवार को हरिद्वार पहुंचे। नागराज गोड़ा ने बताया कि वे साइकिल से अब तक 20 राज्यों की यात्रा साइकिल से कर चुके हैं। 60 वर्षीय नागराज गोड़ा ने बताया कि कन्याकुमारी से लेकर दिल्ली, गुजरात, वेस्ट बंगाल, बद्रीनाथ धाम, गंगोत्री यमुनोत्री, द्वारिका, कच्छ तक की यात्रा में 6 प्रदेशों के मुख्यमंत्री से उनकी भेंट वार्ता हुई है। फिल्म जगत के अभिनेताओं, राजनीतिज्ञों, समाजसेवीयों से भी उनकी मुहिम का समर्थन करते हुए उन्हें सम्मानित किया है। उन्होंने बताया कि 6 वर्ष पहले कर्नाटक से देश की यात्रा की शुरूआत की थी। 50 से 70 किलोमीटर की यात्रा 1 दिन में पूरी करते हैं। नागराज गोड़ा ने बताया कि वे जहां जाते हैं उन्हें भरपूर प्यार मिलता है। नागराज गोड़ा ने कहा कि विश्व में शांति हो, देश तरक्की करे। लेकिन इसके साथ ही लोगों को साइकिल के महत्व को भी समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण और पर्यावरण सरंक्षण में सभी की सहभागिता जरूरी है।

राम मंदिर चंदा प्रकरण की सीबीआई जांच की मांग, प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

पथ प्रवाह, हरिद्वार। समाजसेवी वरिष्ठ अधिवक्ता (डॉ.) अरविन्द कुमार श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री को प्रेषित एक ज्ञापन के माध्यम से श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण हेतु प्राप्त दानराशि एवं चढ़ावे से संबंधित कथित अनियमितताओं की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि भगवान श्रीराम का मंदिर करोड़ों हिन्दुओं की आस्था का केंद्र है तथा मंदिर निर्माण के लिए हिन्दू समाज ने लगभग पांच सौ वर्षों तक संघर्ष किया। देश-विदेश के करोड़ों श्रद्धालुओं ने अपनी श्रद्धा एवं विश्वास के साथ मंदिर निर्माण हेतु दान दिया है। डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि यदि दानराशि अथवा चढ़ावे के प्रबंधन में किसी प्रकार की अनियमितता हुई है तो यह केवल वित्तीय अनियमितता का विषय नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं एवं विश्वास से जुड़ा गंभीर मामला है। ज्ञापन में मंदिर ट्रस्ट अथवा उससे जुड़े व्यक्तियों और कर्मचारियों की दानराशि, नकदी, स्वर्ण, रजत एवं अन्य संपत्तियों तक पहुंच, सुरक्षा व्यवस्था तथा निगरानी प्रणाली की भी निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति की भूमिका संदिग्ध पाई जाती है तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है, किंतु मामले की गंभीरता, व्यापकता तथा करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को देखते हुए केवल एसआईटी जांच पर्याप्त नहीं है।

उत्तराखंड में 'देवभूमि परिवार कानून' लागू - बाहरी लोगों पर सख्ती

पथ प्रवाह, देहरादून

उत्तराखंड सरकार ने राज्य में बढ़ती बाहरी आबादी और संसाधनों पर पड़ रहे दबाव को देखते हुए एक बड़ा और सख्त फैसला लिया है। प्रदेश में अब 'देवभूमि परिवार कानून' लागू कर दिया गया है, जिसके तहत बाहरी लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए विशेष पहचान प्रक्रिया से गुजरना होगा।

सरकार के इस नए प्रावधान के अनुसार, राज्य में पिछले 15 वर्षों से निवास कर रहे बाहरी व्यक्तियों का अलग से सत्यापन कर उन्हें एक विशेष पहचान पत्र (आईडी) जारी किया जाएगा। केवल उन्हीं लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा, जिनके पास यह वैध आईडी होगी।

क्या है कानून का उद्देश्य

सरकार का कहना है कि इस कानून का मुख्य उद्देश्य राज्य के मूल निवासियों के अधिकारों की रक्षा करना, संसाधनों का संतुलित वितरण सुनिश्चित करना और अनियंत्रित बाहरी आबादी पर नियंत्रण रखना है।

किन योजनाओं पर पड़ेगा असर

इस व्यवस्था के लागू होने के बाद राशन, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए इस विशेष आईडी को अनिवार्य किया जा सकता है। बिना आईडी वाले बाहरी व्यक्तियों को इन सुविधाओं से वंचित किया जा सकता है।

सत्यापन प्रक्रिया होगी सख्त

प्रशासन द्वारा विस्तृत सत्यापन अभियान चलाया जाएगा, जिसमें निवास की अवधि, दस्तावेज़ और स्थानीय पुष्टि के आधार पर आईडी जारी की जाएगी। फर्जी दस्तावेज़ देने वालों पर कड़ी कार्रवाई के संकेत भी दिए गए हैं।

राजनीतिक और सामाजिक हलचल तेज

इस फैसले के बाद राज्य में राजनीतिक और सामाजिक बहस भी तेज हो गई है। जहां एक ओर स्थानीय लोग इस निर्णय का समर्थन कर रहे हैं, वहीं कुछ वर्ग इसे भेदभावपूर्ण बताते हुए पुनर्विचार की मांग कर रहे हैं।सरकार जल्द ही इस कानून के तहत विस्तृत दिशा-निर्देश और कार्ययोजना जारी करेगी। आने वाले समय में इसका सीधा प्रभाव राज्य की जनसंख्या संरचना और योजनाओं के वितरण पर देखने को मिल सकता है।

भेल अस्पताल में किया बीएमडी जांच शिविर का आयोजन

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

दिनों-दिन बढ़ रही अस्थि रोग से सम्बंधित समस्याओं को ध्यान में रखते हुए बीएचईएल के चिकित्सा विभाग द्वारा एशियन अस्पताल फरीदाबाद के सहयोग से सेवारत एवं सेवानिवृत कर्मचारियों तथा उनके आश्रितों के लिए बोन मिनरल डेंसिटी जांच शिविर का आयोजन किया गया।

भेल मुख्य चिकित्सालय के अस्थि रोग विभाग में आयोजित शिविर का उद्घाटन महाप्रबंधक (पीसीआरआई) अमित श्रीवास्तव ने किया। अमित श्रीवास्तव ने शिविर के आयोजन के लिए चिकित्सा विभाग की सराहना की तथा भवष्यि में भी इस तरह के उपयोगी कार्यक्रमों के आयोजन पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समय रहते की गई जांच के माध्यम से हड्डियों से संबंधित बीमारियों को और अधिक गंभीर होने से रोक सकते हैं। प्रमुख (चिकित्सा सेवाएं) डा..शारदा स्वरूप ने बताया कि शिविर का उद्देश्य हड्डियों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं से समय रहते सचेत होना है। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं तकनीकी कर्मियों द्वारा लगभग 400 व्यक्तियों की बीएमडी जांच की गई। साथ ही जांच परिणामों के आधार पर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया व संतुलित आहार, नियमित व्यायाम तथा स्वस्थ जीवनशैली के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर भेल महाप्रबंधकगण, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, चिकित्सक, पैरा-मेडिकल स्टॉफ के सदस्य मौजूद रहे।

पति के साथ मसूरी आयी महिला की संदिग्ध मौत, परिजनों की जांच की मांग

पथ प्रवाह, मसूरी।

अपने पति के साथ आयी एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। दोनों एक होम स्टे में रूके हुए थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। महिला गुरूग्राम की आईटी कंपनी में काम करती थी, जबकि उसका पति भी आईटी कंपनी में काम करता है। वहीं इस मामले में महिला के परिजनों ने पुलिस से पूरे मामले की जांच करने की मांग की है।

पुलिस के मुताबिक 15 जून की प्रातः 112 कंट्रोल रूम के माध्यम से कोतवाली मसूरी को सूचना प्राप्त हुई कि कियाना होम स्टे, टिपरीधार, मसूरी-धनोल्टी मार्ग स्थित एक कमरे में एक महिला अचेत अवस्था में पडी है जो अपने पति के साथ कमरे में ठहरी थी। प्राप्त सूचना पर प्रभारी निरीक्षक कोतवाली मसूरी पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। साथ ही 108 एम्बुलेंस सेवा को भी मौके पर पहुंचने हेतु सूचित किया गया।

मौके पर पहुंची एम्बुलेंस में तैनात फार्मासिस्ट द्वारा महिला की प्रारम्भिक जांच में उसे मृत घोषित किया गया। मृतक महिला की पहचान पी. राधा गायत्री (उम्र 27 वर्ष), पत्नी सौम्या श्रीचरण, निवासी मास्टर ब्लॉक, मधुबन रोड, नियर चादर विला, शकरपुर, वारमल ईस्ट, नई दिल्ली तथा वर्तमान पता डी-2, टावर-13, किदवई नगर ईस्ट, दिल्ली के रूप में हुई। घटना के सम्बन्ध में जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि मृतका अपने पति सौम्या श्रीचरण पुत्र एस. दुर्गा प्रसाद, निवासी उपरोक्त, के साथ 13 जून को दिल्ली से ऋषिकेश आई थी। 14 जून की रात्रि में वे ऋषिकेश से उक्त होम स्टे में पहुंचे थे।

रात में पति पत्नी ने पी थी शराब

मृतका के पति से पूछताछ में उसके द्वारा बताया गया कि रात्रि में उन दोनों के द्वारा शराब का सेवन किया गया था। लगभग 03.30 बजे वे दोनों अपने कमरे में सो गए थे तथा प्रातः जागने पर उन्होंने अपनी पत्नी को अचेत अवस्था में पाया। मृतका की नाक से रक्तस्राव हुआ था तथा उसके शरीर से मूत्र भी निकला हुआ था। जांच के दौरान पुलिस टीम को जानकारी प्राप्त हुई कि दंपति का विवाह 08 नवंबर 2025 को हुआ था। दोनों पति-पत्नी निजी आईटी कंपनियों में कार्यरत थे, जिनमें से पति पुणे तथा मृतका गुरुग्राम में कार्यरत थी। दोनों परिवार मूल रूप से विशाखापट्टनम के निवासी हैं।

मौके पर बुलायी गई फील्ड यूनिट

पुलिस द्वारा तत्काल आवश्यक कार्रवाई करते हुए मौके पर फील्ड यूनिट देहरादून एवं पंचायतनामा की कार्यवाही हेतु कार्यपालक मजिस्ट्रेट/नायब तहसीलदार मसूरी को बुलाया गया। फील्ड यूनिट देहरादून द्वारा घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर मौके की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी करते हुए आवश्यक साक्ष्य संकलन की कार्यवाही की गई।

कार्यपालक मजिस्ट्रेट/नायब तहसीलदार मसूरी की उपस्थिति में मृतका के पंचायतनामें की कार्यवाही कर मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता लगाने हेतु शव को पोस्टमार्टम के लिए कोरोनेशन अस्पताल, देहरादून भेजा गया, जहां 16 जून को डॉक्टरों के पैनल द्वारा मृतका के शव का पोस्टमार्टम परीक्षण किया गया।

शरीर पर नहीं मिले चोट के निशान

पोस्टमार्टम के दौरान मृतका के शरीर पर किसी प्रकार की बाहरी चोट के निशान नहीं पाए गए, साथ ही आगे की वैज्ञानिक जांच एवं मृत्यु के वास्तविक कारणों के निर्धारण हेतु डाक्टरों द्वारा मृतका का बिसरा सुरक्षित किया गया है।

घटना के समबन्ध में मृतका के पिता पी0 सुधाकर द्वारा मृत्यु के कारणों की जांच हेतु एक प्रार्थना पत्र दिया गया है। उक्त प्रार्थना पत्र के आधार पर मामले की सभी पहलुओं से गहन जांच की जा रही है। मृत्यु के कारणों के संबंध में अंतिम निष्कर्ष पोस्टमार्टम रिपोर्ट, बिसरा परीक्षण रिपोर्ट एवं अन्य वैज्ञानिक साक्ष्यों के प्राप्त होने के उपरांत ही स्पष्ट हो सकेगा। प्रकरण में आवश्यक वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है।

छात्रवृत्ति घोटाले में ईडी का बड़ा एक्शन, 13.83 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

उत्तराखंड के बहुचर्चित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 13.83 करोड़ रुपये मूल्य की चल एवं अचल संपत्तियों को अटैच कर दिया है। कुर्क की गई संपत्तियों में उत्तराखंड के एक कैबिनेट मंत्री की पार्टनरशिप में स्थापित विश्वविद्यालय के साथ हरिद्वार, रुड़की और मेरठ के तीन शिक्षण संस्थानों की परिसंपत्तियां शामिल हैं। इस मामले में ईडी द्वारा जारी किया गया यह छठा अटैचमेंट आदेश है। इससे पहले भी कई शिक्षण संस्थानों की संपत्तियों को कुर्क किया जा चुका है।

ईडी ने यह कार्रवाई पुलिस जांच के आधार पर दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में की है। मिली जानकारी के अनुसार, रुड़की स्थित मदरहुड इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, हरिद्वार का रुड़की इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज एवं मेडिकल साइंसेज (रिम्स) तथा मेरठ का महावीर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इस कार्रवाई के दायरे में आए हैं। जांच में सामने आया है कि इन तीनों संस्थानों ने अपने प्रबंधन एवं संबद्ध ट्रस्टों और समितियों के माध्यम से समाज कल्याण विभाग से छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए कुल 6208 दावे प्रस्तुत किए थे। इन दावों के आधार पर संस्थानों को लगभग 27.98 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति राशि जारी की गई। इसमें से करीब 19.74 करोड़ रुपये सीधे संस्थानों के बैंक खातों में जमा हुए, जबकि लगभग 8.24 करोड़ रुपये छात्रों के नाम पर संचालित खातों में भेजे गए।

जापान की योगमाता सत्यप्रेम गिरि बनी महामंडलेश्वर, दिल्ली में हुआ पट्टाभिषेक समारोह

पथ प्रवाह, नई दिल्ली।

राजधानी दिल्ली में सनातन संस्कृति की वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाई देने वाला एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक क्षण साकार हुआ, जब जापान से पधारी पूज्य संन्यासी योगमाता सत्यप्रेम गिरि जी का वैदिक परंपरा, संत मर्यादा और अखाड़ा विधान के अनुरूप भव्य पट्टाभिषेक कर उन्हें महामंडलेश्वर पद से अलंकृत किया गया।

यह दिव्य समारोह परम पूज्य गुरुदेव आनंदपीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर अनंत श्री विभूषित श्री श्री 1008 स्वामी श्री बालकानंद गिरि जी महाराज (उपाचार्य, पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी) के सान्निध्य एवं अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार, धार्मिक अनुष्ठानों और संत परंपरा की गरिमा के बीच संपन्न यह पट्टाभिषेक केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सनातन धर्म की सार्वभौमिक स्वीकार्यता और विस्तार का सशक्त प्रतीक बनकर उभरा।

सीमाओं से परे सनातन की अलौकिक चेतना

जापान की धरती पर जन्मी योगमाता

सत्यप्रेम गिरि जी द्वारा भारतीय अध्यात्म, योग, वैराग्य और सनातन जीवन मूल्यों को आत्मसात कर संन्यास मार्ग का वरण करना और अब महामंडलेश्वर पद पर अभिषिक्त होना इस बात का प्रमाण है कि सनातन संस्कृति भौगोलिक सीमाओं से परे मानवता को एक सूत्र में बांधने की क्षमता रखती है। उनका यह आध्यात्मिक उत्कर्ष विश्वभर के साधकों के लिए प्रेरणास्रोत बन गया है।

संत समाज की गरिमामयी उपस्थिति

इस ऐतिहासिक अवसर पर अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्री महंत रविन्द्र पुरी जी महाराज (अध्यक्ष, मां मनसा देवी ट्रस्ट), पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के सचिव श्री महंत स्वामी राम रतन गिरि जी महाराज, जगद्गुरु आचार्य प्रमोद कृष्णम जी महाराज, जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि नन्द गिरि जी महाराज, महामंडलेश्वर साध्वी मंजू श्री गिरि जी, पूज्य स्वामी वेदमूर्ति जी महाराज, पूज्य स्वामी मंगलदास जी महाराज, आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी चंद्रमणि गिरि जी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी वैराग्यानंद गिरि जी महाराज, साध्वी इन्द्राणी नंद गिरि जी, साध्वी अंजनी देवानंद गिरि जी तथा महंत शिवबन जी महाराज सहित अनेक संतों की गरिमामयी उपस्थिति रही। विशेष रूप से जापान से पधारे महामंडलेश्वर स्वामी आदित्यानंद गिरि जी महाराज की सहभागिता ने आयोजन को अंतरराष्ट्रीय आध्यात्मिक आयाम प्रदान किया।

'वसुधैव कुटुम्बकम्' की साकार होती परिकल्पना

समारोह ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि सनातन केवल एक धर्म नहीं, बल्कि मानवता के कल्याण का सार्वभौमिक दर्शन है। जब विश्व के विभिन्न देशों से साधक भारत की आध्यात्मिक परंपरा को अपनाते हैं, तब 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना सजीव रूप में प्रकट होती है।

विश्व के लिए प्रेरणास्रोत बनीं योगमाता सत्यप्रेम गिरि

योगमाता सत्यप्रेम गिरि जी का महामंडलेश्वर पद पर अभिषेक न केवल उनके व्यक्तिगत आध्यात्मिक साधना का सम्मान है, बल्कि यह सनातन संस्कृति के वैश्विक प्रसार का भी एक महत्वपूर्ण अध्याय है।

उनके माध्यम से जापान सहित विश्वभर में सनातन धर्म, योग और आध्यात्मिक चेतना का प्रकाश और अधिक प्रसारित होने की आशा व्यक्त की गई। इस भव्य और ऐतिहासिक आयोजन के साथ सनातन संस्कृति ने एक बार फिर विश्व मंच पर अपनी आध्यात्मिक शक्ति और समावेशी स्वरूप का परिचय दिया।

सफलता की कहानी: आयुर्वेद चिकित्सा से आमवात (इन्फ्लेमेटरी अर्थराइटिस) पर विजय

पथ प्रवाह, नई टिहरी।

जिला अस्पताल बौराड़ी, नई टिहरी स्थित आयुर्वेदिक चिकित्सालय में उपचार प्राप्त करने वाली भारती चमोली ने आयुर्वेद चिकित्सा एवं पंचकर्म उपचार के माध्यम से सूजन वाले गठिया (इन्फ्लेमेटरी अर्थराइटिस/आमवात) जैसी गंभीर समस्या से उल्लेखनीय राहत प्राप्त की।

भारती चमोली पिछले कई वर्षों से दोनों घुटनों में तीव्र दर्द, सूजन एवं अकड़न की समस्या से परेशान थीं। घुटनों को मोड़ने, चलने-फिरने तथा दैनिक कार्य करने में उन्हें अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ता था। समय के साथ दर्द और सूजन बढ़ती जा रही थी, जिससे उनके जीवन की सामान्य गतिविधियाँ भी प्रभावित होने लगी थीं।

समस्या के समाधान हेतु उन्होंने जिला अस्पताल बौराड़ी, नई टिहरी स्थित आयुर्वेदिक चिकित्सालय में परामर्श लिया। चिकित्सकीय परीक्षण एवं विस्तृत जांच के उपरांत आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. सिद्धि मिश्रा द्वारा उन्हें इन्फ्लेमेटरी

अर्थराइटिस (आमवात) से ग्रसित पाया गया।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि इन्फ्लेमेटरी अर्थराइटिस एक ऐसी अवस्था है जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली गलती से अपने ही जोड़ों के स्वस्थ ऊतकों पर आक्रमण करने लगती है। इसके परिणामस्वरूप जोड़ों में दर्द, सूजन, अकड़न एवं लालिमा उत्पन्न होती है, जो समय रहते उपचार न मिलने पर जोड़ों को स्थायी नुकसान भी पहुंचा सकती है।

आयुर्वेदिक चिकित्सालय में भारती चमोली का समग्र एवं व्यवस्थित उपचार प्रारम्भ किया गया। उपचार में आयुर्वेदिक औषधियों के साथ-साथ पंचकर्म चिकित्सा की विशेष विधियों को शामिल किया गया। पंचकर्म सहायक द्वारा निर्धारित अवधि तक बालुका स्वेद एवं पत्र पोटली स्वेद उपचार प्रदान किया गया।

बालुका स्वेद (7 दिवस)

उपचार के प्रथम चरण में 7 दिनों तक बालुका स्वेद किया गया। इस प्रक्रिया में साफ एवं महीन रेत को सेंधा नमक के साथ गर्म कर सूती कपड़े की पोटली बनाई गई। इस सूखी सिकाई से जोड़ों में मौजूद सूजन, भारीपन एवं जकड़न में कमी आई तथा दर्द में राहत मिलने लगी।

पत्र पोटली स्वेद (10 दिवस)

इसके पश्चात 10 दिनों तक पत्र पोटली स्वेद उपचार किया गया। इसमें निर्गुंडी, अरंडी एवं सहजन जैसी औषधीय पत्तियों को विशेष औषधीय तेलों के साथ तैयार कर पोटली बनाई गई। प्रभावित जोड़ों पर इस पोटली से स्वेदन एवं मालिश करने से सूजन में उल्लेखनीय कमी आई, दर्द नियंत्रित हुआ तथा घुटनों की गतिशीलता में सुधार होने लगा। उपचार की निर्धारित अवधि पूर्ण होने के बाद भारती चमोली की स्थिति में स्पष्ट सुधार देखा गया। घुटनों की सूजन में कमी आई, दर्द में काफी राहत मिली तथा घुटनों को मोड़ने एवं चलने-फिरने में पहले की अपेक्षा अधिक सहजता अनुभव हुई। इससे उनकी दैनिक गतिविधियों में भी सकारात्मक परिवर्तन आया और जीवन की गुणवत्ता बेहतर हुई। भारती चमोली ने आयुर्वेद चिकित्सालय, नई टिहरी की चिकित्सा सेवाओं के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि नियमित उपचार, चिकित्सकीय मार्गदर्शन एवं पंचकर्म चिकित्सा के कारण उन्हें लंबे समय से चली आ रही समस्या से राहत मिली है। डॉ. सिद्धी मिश्रा के अनुसार उचित चिकित्सकीय परामर्श, नियमित आयुर्वेदिक उपचार एवं पंचकर्म चिकित्सा के माध्यम से आमवात (इन्फ्लेमेटरी अर्थराइटिस) जैसे रोगों में प्रभावी लाभ प्राप्त किया जा सकता है तथा रोगियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। उक्त आमवात (इन्फ्लेमेटरी अर्थराइटिस) रोग से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए आयुर्वेदिक चिकित्सालय से सम्पर्क कर सकते हैं।

एक नजर

सोबन सिंह जीना विवि की तृतीय कार्य परिषद की बैठक में कई प्रस्तावों को मंजूरी

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय की तृतीय कार्य परिषद की बैठक नवनिर्मित प्रशासनिक भवन में कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में 18 जून 2026 को विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह आयोजित करने और 11 दैनिक/संविदा कार्मिकों को विनियमित करने समेत कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के अपर सचिव मनुज गोयल ऑनलाइन जुड़े।बैठक में यूजीसी विनियम 2016/2018 के तहत परिसर अल्मोड़ा में रिक्त शिक्षकों के पदों के विज्ञापन और आवेदनों की स्क्रीनिंग पर चर्चा हुई। रोस्टर समिति द्वारा निर्मित रोस्टर को अनुमोदन के लिए रखा गया। 8 जून 2026 को हुई शैक्षिक परिषद की तृतीय बैठक के निर्णयों का अनुमोदन किया गया शोध अनुभाग द्वारा विभिन्न विषयों में शोधार्थियों को दी गई पीएचडी उपाधियों को अनुमोदित किया गया।

शिक्षकों-कर्मचारियों को प्रत्याशा में स्वीकृत असाधारण/चिकित्सा अवकाश और त्यागपत्रों का अनुमोदन हुआ। 11 दैनिक, कार्यप्रभारित, संविदा, नियत वेतन, अंशकालिक व तदर्थ कार्मिकों को रिक्त पदों के सापेक्ष विनियमित करने का प्रस्ताव पास हुआ। 18 जून 2026 को होने वाले पहले दीक्षांत समारोह के आयोजन और दिए जाने वाले मेडलों की सूची का अनुमोदन हुआ।

बद्रीनाथ में गाली-गलौज व हंगामा करने वालों पर कार्रवाई

पथ प्रवाह, चमोली।

जनपद में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा असामाजिक तत्वों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के उद्देश्य से चमोली पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत लगातार सख्त कार्यवाही अमल में लाई जा रही है।

इसी क्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में नशे में वाहन चलाने, सार्वजनिक स्थानों पर उत्पात मचाने एवं हुड़दंग करने वाले कुल 09 व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक 15 जून को कोतवाली कर्णप्रयाग पुलिस द्वारा क्षेत्र में नियमित चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। चेकिंग के दौरान संजू गुर्जर पुत्र धर्मवीर निवासी खड़खड़ी, थाना लोनी, जनपद गाजियाबाद (उ.प्र.) को शराब के नशे में वाहन चलाते हुए पाया गया। पुलिस टीम द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए उसके विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई करते हुए संबंधित वाहन को सीज कर दिया गया। दिनांक 16 जून को थाना पोखरी पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि एक

व्यक्ति शराब के नशे में सार्वजनिक स्थान पर उत्पात मचाते हुए आमजन को परेशान कर रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और उक्त व्यक्ति को हिरासत में लेकर थाने लाया गया। उसके विरुद्ध पुलिस अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई करते हुए भविष्य में इस प्रकार की हरकत न करने की सख्त चेतावनी दी गई।

बद्रीनाथ धाम में यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुचारू दर्शन व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस लगातार सतर्कता बरत रही है। इसी क्रम में सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंग एवं अनुशासनहीनता करने वाले 07 व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

चेकिंग के दौरान सार्वजनिक स्थान पर हुक्का पीने वाले एक व्यक्ति, शराब के नशे में सार्वजनिक स्थान पर हंगामा एवं हुड़दंग कर रहे तीन युवक दुलार चन्द, कौशल कुमार एवं लाला कुमार, निवासी बिहार तथा श्रद्धालुओं के दर्शन हेतु लगी कतार में गाली-गलौज कर शांति व्यवस्था भंग कर रहे मनोज रस्तोगी निवासी शाहजहांपुर, कृष्ण रस्तोगी निवासी सीतापुर एवं कमलेश निवासी सीतापुर को पुलिस द्वारा मौके से कोतवाली लाया गया। जिसके पश्चात सभी 07 लोगों के विरूद्ध पुलिस अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई की गई तथा सभी भविष्य में ऐसी गतिविधियों से दूर रहने की सख्त चेतावनी दी गई। चमोली पुलिस का स्पष्ट संदेश है कि जनपद की शांति व्यवस्था, धार्मिक स्थलों की गरिमा एवं आमजन की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के विरूद्ध ऑपरेशन प्रहार' के तहत कार्यवाही आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

तीन दिवसीय अल्मोड़ा दौरे पर राज्यपाल गुरमीत सिंह, एसएसजे विवि के दीक्षांत समारोह में होंगे शामिल

जागेश्वर और कैंची धाम में भी करेंगे दर्शन

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा।

उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) आज बुधवार, 17 जून से अल्मोड़ा जिले के तीन दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं। जिसमें राज्यपाल अपने इस तीन दिवसीय प्रवास के दौरान सोबन सिंह जीना (SSJ) विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। वहीं कुमाऊं के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों पर पूजा-अर्चना भी करेंगे। राज्यपाल के तीन दिवसीय दौरे को देखते हुए अल्मोड़ा जिला प्रशासन और पुलिस अलर्ट मोड पर है। प्रशासन की ओर से राज्यपाल के मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल बुधवार 17 जून की सुबह नैनीताल से अल्मोड़ा के लिए प्रस्थान करेंगे।

एक नजर

अल्मोड़ा में 500 पदों पर जल्दी सुरक्षा जवान और सुपरवाइजरों की भर्ती

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। जिले के बेरोजगार युवाओं के लिए सुरक्षा क्षेत्र में रोजगार का अवसर उपलब्ध होने जा रहा है। विभिन्न विकासखंडों में सुरक्षा जवान और सुपरवाइजर के 500 पदों पर भर्ती के लिए जुलाई माह में भर्ती मेलों का आयोजन किया जाएगा। जिला विकास अधिकारी एस.के. पंत ने बताया कि सुरक्षा जवान पद के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता 9वीं या 10वीं पास तथा सुपरवाइजर पद के लिए 12वीं पास निर्धारित की गई है। अभ्यर्थियों की आयु 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए। सुरक्षा जवान के लिए न्यूनतम ऊंचाई 168 सेंटीमीटर और सुपरवाइजर के लिए 170 सेंटीमीटर निर्धारित की गई है। वहीं अभ्यर्थियों का वजन 55 से 90 किलोग्राम के बीच होना चाहिए। भर्ती प्रक्रिया के लिए 350 रुपये का ऑनलाइन पंजीकरण शुल्क निर्धारित किया गया है, जो केवल चयनित अभ्यर्थियों से शिविर के दौरान लिया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को एसआईएस ट्रेनिंग अकादमी, देहरादून में प्रशिक्षण दिया जाएगा। सुरक्षा जवान पद के लिए एक माह का प्रशिक्षण होगा, जिसके लिए 10,500 रुपये प्रशिक्षण शुल्क निर्धारित है। सुपरवाइजर पद के लिए दो माह का प्रशिक्षण होगा और इसके लिए 40,500 रुपये शुल्क लिया जाएगा। प्रशिक्षण अवधि के दौरान भोजन, आवास और वर्दी की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद चयनित अभ्यर्थियों को 15 हजार से 30 हजार रुपये प्रतिमाह तक वेतन दिया जाएगा। भर्ती मेले सुबह 10:30 बजे से अपराह्न 3 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। भर्ती कार्यक्रम के तहत 1 और 2 जुलाई को हवालबाग, 3 और 4 जुलाई को ताकुला, 6 और 7 जुलाई को धौलादेवी, 8 और 9 जुलाई को भैसियाछाना, 10 और 13 जुलाई को लमगड़ा, 14 और 15 जुलाई को ताड़ीखेत, 17 और 18 जुलाई को द्वाराहाट, 20 और 21 जुलाई को चौखुटिया, 22 और 23 जुलाई को भिकियासैंण, 24 और 25 जुलाई को स्याल्दे तथा 27 और 28 जुलाई को सल्ट विकासखंड सभागारों में भर्ती मेले आयोजित किए जाएंगे। जिला प्रशासन ने पात्र युवाओं से निर्धारित तिथियों पर भर्ती मेले में पहुंचकर रोजगार के अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

सार्वजनिक स्थान पर हुड़दंग करना पड़ा भारी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। थाना सिडकुल क्षेत्र में एक व्यक्ति द्वारा सड़क पर सरेआम हो-हल्ला एवं हुड़दंग कर आमजन की शांति भंग करने के मामले में कार्रवाई की गई है। आरोपी की हरकतों से राहगीरों एवं स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। मौके पर मौजूद लोगों द्वारा विरोध किए जाने के बावजूद उक्त व्यक्ति अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। सूचना पर पहुंची सिडकुल पुलिस ने व्यक्ति को समझाने-बुझाने का प्रयास किया, लेकिन उसके न मानने पर पुलिस द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए धारा 170 ब्नहस्स् के तहत हिरासत में लिया गया। आरोपी के विरुध्द नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जा रही है। आरोपी का नाम सुमित पुत्र धर्मपाल निवासी उमरी मजबता, थाना बड़गांव, जिला सहारनपुर (उ.प्र.) हाल पता-शिवम, रावली महदूद, थाना सिडकुल, जनपद हरिद्वार है।

शराब के धंधे संलिप्त आरोपी को पकड़ा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद हरिद्वार द्वारा आपरेशन प्रहार के तहत मादक पदार्थ के धंधे में संलिप्त अभियुक्तों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिये गए हैं। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर के नेतृत्व में पुलिस द्वारा शराब के धंधे में संलिप्त एक आरोपित को अवैध देशी शराब के साथ पकडा। आरोपित के विरूद्ध अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। आरोपित का नाम छोटू पुत्र मनोज निवासी झुग्गी झोपड़ी निकट दीनदयाल पार्किंग रोडीबेल वाला हरिद्वार है। उसके पास से 44 टैट्रा पैक अवैध देशी शराब मार्का माल्टा बरामद हुए है।

कच्ची शराब बनाकर तस्करी करने वाले आरोपित को दबोचा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। पुलिस मुख्यालय उत्तराखंड देहरादून द्वारा चलाए जा रहे आप्रेशन प्रहार एवं देवभूमि उतराखण्ड को नशा मुक्त करने के लिए चलाये जा रहे अभियान को सफल बनाने हेतु एसएसपी हरिद्वार द्वारा अवैध शराब बनाने व तस्करी करने वाले अभियुक्तो की गिरफ्तारी समस्त थाना प्रभारियों को निर्देश निर्गत किये गये हैं। उपरोक्त क्रम में थाना बुग्गावाला पुलिस टीम को रात्रि में ग्राम मुजाहिदपुर स्थित नदी के किनारे भट्टी लगाकर अवैध कच्ची शराब बनाये जाने की सूचना प्राप्त हुई। प्राप्त सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए मुजाहिदपुर स्थित नदी के पास छापा मारकर आरोपित पुत्र पालू निवासी ग्राम मुजाहिदपुर सतीवाला थाना बुग्गावाला को मौके से कच्ची शराब बनाते हुए पकडा गया व आरोपित के कब्जे से 12 लीटर कच्ची शराब, शराब की भट्टी, चूल्हा, सिलेंडर, व उपकरण बरामद किये गये। मौके पर करीब 500 लीटर लाहन को नष्ट किया गया। थाना बुग्गावाला में आरोपित अनूप के विरूद्ध धारा-60(2) आबकारी अधिनियम पंजीकृत किया गया। आरोपित का नाम अनूप पुत्र पालू निवासी ग्राम मुजाहिदपुर सतीवाला थाना बुग्गावाला है।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए 3 लाख की घोषणा

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा

सल्ट विकास खंड के रामानन्द आश्रम अनेड़ी-तराड़ में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में मंगलवार को अल्मोड़ा जिला पंचायत अध्यक्ष हेमा गैड़ा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने राजा हरूहीत मंदिर में पूजा-अर्चना कर क्षेत्र एवं प्रदेश की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में स्थानीय ग्रामीणों एवं मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने जिला पंचायत अध्यक्ष का फूल-मालाओं और पुष्पगुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत किया। उन्होंने कथा वाचक राजेन्द्र नैनवाल का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा श्रीमद्भागवत कथा में सहभागिता की। इस दौरान मंदिर समिति द्वारा विभिन्न मांगों को लेकर जिला पंचायत अध्यक्ष को ज्ञापन भी सौंपा गया। ज्ञापन पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए हेमा गैड़ा ने मंदिर के सौंदर्यीकरण हेतु जिला पंचायत निधि से 3 लाख रुपये उपलब्ध कराने की घोषणा की। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य हंसा नेगी,जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गोपाल सिह गैडा, भाजपा मंडल अध्यक्ष गड्डी देवी, करन जीना, जिला पंचायत सदस्य शंभू रावत, नीमा कड़ाकोटी, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि शोबन सिंह बोरा, मोहन सिंह, राकेश नाथ, ग्राम प्रधान तराड़ पुष्पा देवी, ग्राम प्रधान घचकोट रोशन नेगी, पूर्व ग्राम प्रधान तराड़ राकेश मठपाल, भाजपा वरिष्ठ नेता सुरेश घ्यानी, गौरक्षा समिति सदस्य जीवन सिंह, रामानंद आश्रम समिति अध्यक्ष भोपाल सिंह, प्रधानाचार्य शंकर मठपाल, विजय रावत, ललित रावत, पूर्व ग्राम प्रधान घचकोट मोहन सिंह रावत, रोहन बिष्ट बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

खेतों से पानी की मोटर चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

पथरी पुलिस ने खेतों से पानी की मोटर चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अभियुक्तों के पास से चोरी की पांच मोटर बरामद हुई है। पुलिस के मुताबिक 15-06-2026 को वादी गुरदीप सिंह पुत्र खेम सिंह निवासी ग्राम टिहरी भागीरथी नगर भाग-2, थाना पथरी, जनपद हरिद्वार द्वारा खेत से पानी की मोटर चोरी होने संबंधी प्रार्थना पत्र थाना पथरी पर दिया गया। प्रार्थना पत्र के आधार पर तत्काल मु0अ0सं0- 295/2026 पंजीकृत कर जांच प्रारंभ की गई। क्षेत्र में लगातार हो रही मोटर चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए उच्चाधिकारियों द्वारा थानाध्यक्ष पथरी को शीघ्र खुलासा करने हेतु निर्देशित किया गया। निर्देशों के अनुपालन में गठित पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ, क्षेत्र में लगे डिजिटल साक्ष्यों की जांच एवं मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने 02 संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान दोनों संदिग्धों ने मोटर चोरी की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई 05 मोटरें बरामद की गईं, जिनकी तस्दीक की जा रही है। पकड़े गये आरोपियों के विरुध्द नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। पकड़े गए आरोपियों का नाम शहजाद पुत्र इरशाद और साहिल पुत्र लियाकत है। दोनों ग्राम मुस्तफाबाद पदार्था, थाना पथरी, जनपद हरिद्वार के रहने वाले हैं।

दोसाद नदी संरक्षण परियोजना के कार्यों का नाबार्ड ने किया मूल्यांकन

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा।

द्वाराहाट के मासर क्षेत्र में संचालित दोसाद नदी संरक्षण एवं जलागम विकास परियोजना के क्षमता निर्माण चरण के कार्यों का नाबार्ड की ओर से मूल्यांकन किया गया। इस दौरान परियोजना के अंतर्गत किए जा रहे जल संरक्षण और आजीविका संवर्धन संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई। ग्रामीण समाज कल्याण समिति की ओर से आयोजित बैठक में नाबार्ड के कृषि क्षेत्र विकास विभाग के उपमहाप्रबंधक अभिनव कापड़ी ने मासर, छब्बीसा और चिललगांव के ग्रामीणों तथा ग्राम जलागम समिति के सदस्यों के साथ परियोजना की प्रगति पर चर्चा की। उन्होंने स्टेगर्ड कंटूर ट्रेंच, वनस्पति अवरोध, लूज बोल्डर चेक डैम और रिचार्ज पिट जैसे संरचनात्मक कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। साथ ही जलागम समिति के अभिलेखों और लेखा व्यवस्था की भी जांच की। अभिनव कापड़ी ने कहा कि नाबार्ड की जलागम विकास निधि के तहत संचालित परियोजना का उद्देश्य दोसाद नदी के संरक्षण के साथ जल संचयन को बढ़ावा देना, किसानों की आजीविका मजबूत करना और पलायन की समस्या को कम करना है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में किसानों की आय बढ़ाने के लिए अदरक और हल्दी की खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है तथा जुलाई-अगस्त में फलदार पौधों का रोपण भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षमता निर्माण चरण अगस्त तक पूरा होने के बाद परियोजना के पूर्ण क्रियान्वयन के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार किया जाएगा। इसके बाद क्षेत्र की अन्य 11 ग्राम पंचायतों में भी परियोजना का विस्तार किया जाएगा। बैठक में ग्रामीण समाज कल्याण समिति के पदाधिकारी, तकनीकी विशेषज्ञ, ग्राम जलागम समिति के सदस्य तथा क्षेत्र के ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष गोपाल सिंह चौहान, अधिशासी निदेशक भूपेन्द्र चौहान, कृषि क्षेत्र विशेषज्ञ देवेन्द्र सिंह नैनवाल, सिविल इंजीनियर ललित सिंह सतवाल, दीप चन्द्र बिष्ट, सरिता किरौला, शिवराज सिंह, सूरज सिंह, ग्राम जलागम समिति कोषाध्यक्ष हेमा देवी, सदस्य राम सिंह, प्रेमा जोशी, नवीन सिंह भण्डारी आदि उपस्थित रहे।

पर्यटन स्वरोजगार और होम स्टे योजनाओं के 42 आवेदन स्वीकृत

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा।

वीर चंद्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना और दीनदयाल उपाध्याय गृह आवास (होम स्टे) योजना के तहत जिला चयन समिति ने अधिकांश पात्र आवेदनों को स्वीकृति प्रदान कर दी है। मुख्य विकास अधिकारी रामजीशरण शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित समिति की बैठक में आवेदनों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में पर्यटन स्वरोजगार योजना के गैर वाहन मद के 11 और वाहन मद के 12 आवेदन प्रस्तुत किए गए। गैर वाहन मद के सभी 11 आवेदनों को स्वीकृति दी गई। वाहन मद में दो आवेदक अनुपस्थित रहे, जबकि उपस्थित 10 आवेदकों के प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई। होम स्टे योजना के तहत समिति के समक्ष 25 आवेदन प्रस्तुत किए गए। इनमें दो आवेदक अनुपस्थित रहे। उपस्थित 23 आवेदकों में से 21 आवेदनों को स्वीकृति दी गई, जबकि दो आवेदनों को मानचित्र में आवश्यक संशोधन के बाद सशर्त स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक के दौरान सभी आवेदकों का साक्षात्कार लिया गया तथा उनके प्रस्तावों का परीक्षण किया गया। समिति ने योजनाओं के दिशा-निर्देशों के अनुरूप निर्णय लेते हुए पात्र आवेदनों को स्वीकृति प्रदान की। बैठक में जिला पर्यटन विकास अधिकारी प्रकाश सिंह खत्री, उप संभागीय परिवहन अधिकारी रश्मि भट्ट, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि और आवेदक उपस्थित रहे।

एक नजर

चारधाम यात्रा के लिए 3192 यात्रियों ने कराया पंजीकरण

पथ प्रवाह, हरिद्वार।हरिद्वार ऋषिकुल मैदान में बनाए गए यात्री पंजीकरण केंद्र में मंगलवार को चारधाम यात्रा के लिए 3192 यात्रियों ने अपना पंजीकरण कराया। पंजीकरण केंद्र पर यमुनोत्री धाम के लिए 552, गंगोत्री धाम के लिए 578, केदारनाथ धाम के लिए 1003, बद्रीनाथ धाम के लिए 1052, हेमकुंड साहिब के लिए 07 यात्रियों ने पंजीकरण कराया। इस दौरान 3192 यात्रियों द्वारा चारधाम के लिए अपना पंजीकरण कराया गया। ऋषिकुल मैदान यात्री पंजीकरण केंद्र से अब तक कुल 4 लाख 32 हजार 6 सौ 50 यात्रियों ने चारधाम यात्रा के लिए अपना पंजीकरण कराया है।

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य को बुजुर्ग महिला ने दिया आशीर्वाद

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी। विकासखंड चिन्यालीसौड़ की ग्राम सभा छणद-खालसी के ग्रामीण गांव में बढ़ते भूस्खलन की समस्या लेकर जिलाधिकारी प्रशांत आर्य से मिलने पहुंचे। कार्यालय से बाहर निकलते समय जिलाधिकारी ने स्वयं ग्रामीणों को बुलाकर उनकी समस्याएं सुनीं और शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। इस दौरान एक बुजुर्ग महिला ने गढ़वाली भाषा में अपनी पीड़ा साझा की, जिसे जिलाधिकारी ने पूरे धैर्य और आत्मीयता के साथ सुना। उनके सौम्य व्यवहार और संवेदनशीलता से प्रभावित होकर महिला ने जिलाधिकारी के सिर पर हाथ रखकर उन्हें आशीर्वाद दिया। जिलाधिकारी की जनसरोकारों से जुड़ी कार्यशैली और आमजन के प्रति सहज व्यवहार की ग्रामीणों ने सराहना की।

किसानों के अधिकारों के लिए आंदोलन और संवाद जारी रहेगा- धर्मेंद्र चौधरी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह के जयपुरिया धर्मशाला भूपतवाला में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय चिंतन शिविर के दूसरे दिन देशभर से बड़ी संख्या में किसान, पदाधिकारी और संगठन के प्रतिनिधि शामिल हुए। शिविर में किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की रणनीति पर चर्चा हुई।

राष्ट्रीय चिंतन शिविर में किसान नेताओं और पदाधिकारियों ने कृषि क्षेत्र की चुनौतियों, किसानों की समस्याओं तथा उनके समाधान को लेकर अपने विचार रखे। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी, फसलों के उचित दाम, सिंचाई व्यवस्था, बिजली आपूर्ति, उर्वरकों की उपलब्धता और किसान हितों से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही संगठन के विस्तार, किसान एकता को मजबूत करने और आने वाले समय में किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी रणनीति तैयार करने पर भी मंथन हुआ। किसानों की समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर राज्यमंत्री देशराज कर्णवाल के माध्यम से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री के नाम ज्ञापन भी प्रेषित किया गया। भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी ने कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान और उनकी आवाज को मजबूती से उठाने के लिए ऐसे चिंतन शिविर बेहद आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि किसान हितों की रक्षा के लिए संगठन लगातार संघर्षरत है और भविष्य में भी किसानों के अधिकारों के लिए आंदोलन और संवाद दोनों स्तरों पर प्रयास जारी रहेंगे। भारतीय मनु संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मन्नू तोमर ने कहा कि तीन दिवसीय राष्ट्रीय चिंतन शिविर में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों और भविष्य की रणनीतियों की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसान हित ही राष्ट्र हित है और किसान एकता ही संगठन की सबसे बड़ी शक्ति है। इस दौरान संतोष शाह, सत्यवीर सिंह, रवेन्द्र चौबे, सीमा शर्मा, हिमांशु त्यागी, मेंबर सिंह रावत, फौरन सिंह रावत, अमर नोहवार, धर्मेंद्र तोमर, नरेंद्र गुर्जर, अमित चौधरी, निधिराज यादव, सुनीत चौधरी, रामगोपाल बघेल, निर्मला ठाकुर, आसिफ खान, कुलदीप त्यागी, राहुल शर्मा, पूजा, संगीता देवी, महेंद्र सिंह, केपी सिंह ठेनुआ, कृपाल सिंह, अनीता मित्तल सहित भारी संख्या में किसान मौजूद रहे।

21 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

पथ प्रवाह, गरुड़। कौसानी थाना अंतर्गत महिला ने फांसी लगाकर जीवन का अंत कर लिया। मृतक महिला भोजगढ़ लौबाज निवासी रूपा देवी पत्नी अमित सजवान है। महिला का 1 वर्ष पूर्व विवाह हुआ था। महिला का शव गौशाला में लटका हुआ बरामद हुआ है । खबर की सूचना मिलते ही कौसानी पुलिस मौके पर पहुंच देर शाम पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए बागेश्वर लेकर गई । मृतका का मायका सलगडा वज्युला है। प्राप्त सुचना के अनुसार मृतका के शव के पास से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। मृतका के ससुराल पक्ष के लोग भी घटना स्थल पर पहुंच गए है। पुलिस मामले की जाँच मे जुटी हुई है।

दो माह से फरार चल रहे दुष्कर्म के आरोपी को दबोचा, पुलिस को गुमराह करने की चली थी चाल

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

महिला एवं बाल संबंधी अपराध पर हरिद्वार पुलिस की ज़ीरो टॉलरेंस नीति अपना रही है। इसी क्रम में लगभग दो माह से फरार चल रहे दुष्कर्म के आरोपी को मंगलौर पुलिस ने दबोचा है। आरोपी ने स्वंय को मरा साबित करने और पुलिस को गुमराह करने के लिए नहर किनारे अपना सामान छोड़ दिया था।

पुलिस के मुताबिक कोतवाली मंगलौर क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति द्वारा अपनी 07 वर्षीय नाबालिग पुत्री के साथ दुष्कर्म किए जाने के संबंध में माह अप्रैल 2026 में आरोपी नीटू उर्फ ज्ञानेंद्र के विरुद्ध पोक्सो अधिनियम एवं बीएनएस की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कराया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी मंगलौर के पर्यवेक्षण में आरोपी की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमों का गठन किया गया। टीमों द्वारा लगातार संभावित स्थानों पर दबिश दी गई, लेकिन आरोपी लगातार फरार चल रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी हेतु माननीय न्यायालय से गैर जमानती वारंट (NBW) भी प्राप्त किया गया।

पुलिस जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपी ने स्वयं को मृत दर्शाने और पुलिस को भ्रमित करने के उद्देश्य से अपने कपड़े, जूते एवं अन्य सामान नहर किनारे छोड़ दिए थे, जिससे यह प्रतीत हो कि उसने नहर में कूदकर आत्महत्या कर ली है। हालांकि पुलिस ने सभी पहलुओं पर जांच जारी रखी और लगातार सुरागरसी एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की तलाश जारी रखी। लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप मंगलौर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। आरोपी के विरुद्ध नियमानुसार विधिक करवाई की जा रही है।

ग्रामीण महिलाओं-किशोरियों को माहवारी स्वास्थ्य पर दी वैज्ञानिक जानकारी

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा

माहवारी से जुड़ी झिझक तोड़ने और टिकाऊ विकल्पों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए अल्मोड़ा जिले में 'लाल धारा कलेक्टिव' के तहत तीन दिवसीय अभियान चलाया गया। बाल्टा, खेतीगांव और कटरमल में आयोजित कार्यशालाओं में महिलाओं और किशोरियों ने माहवारी स्वास्थ्य, स्वच्छता और पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों पर खुलकर संवाद किया।

यह पहल सेवा उत्तराखंड, अश्वत्थ एजुकेशनल फाउंडेशन, डिजीधारा फाउंडेशन और वीमेन ऑफ उत्तराखंड के संयुक्त प्रयास से हुई। सेवा ने दूरस्थ गांवों तक पहुंच बनाई, अश्वत्थ ने शैक्षिक रूपरेखा तैयार की, डिजीधारा ने स्थानीय समन्वय किया और WoU ने मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा के साथ कपड़े के पैड उपलब्ध कराए। स्थानीय स्वयंसेवक प्रखर गोयल, अनन्या बैरी, नीलम भट्ट, रुग्वेद, स्वप्निल और आस्था ने भी अहम भूमिका निभाई। कार्यशालाओं में लेक्चर की जगह 'वर्ल्ड कैफे' मॉडल अपनाया गया। प्रतिभागियों को छोटे समूहों में बांटकर चार स्टेशनों- जीवविज्ञान, स्वास्थ्य, स्वच्छता और सस्टेनेबिलिटी पर चर्चा कराई गई। महिलाओं और किशोरियों ने मानसिक स्वास्थ्य, मूड स्विंग्स, पोषण और वैकल्पिक उत्पादों को लेकर सबसे ज्यादा सवाल पूछे। कई के लिए यह जानकारी बिल्कुल नई थी।

कोटद्वार से गोपेश्वर और ऋषिकेश एम्स के लिएरोडवेज बस सेवा का शुभारंभ

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण ने दिखाई हरी झंडी

पथ प्रवाह, कोटद्वार।

उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष एवं कोटद्वार विधायक ऋतु खण्डूडी भूषण ने मंगलवार को कोटद्वार वासियों को एक महत्वपूर्ण सौगात देते हुए उत्तराखंड परिवहन निगम की दो नई बस सेवाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने कोटद्वार से गोपेश्वर तथा कोटद्वार से ऋषिकेश एम्स के लिए संचालित होने वाली रोडवेज बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण ने कहा कि जनता की सुविधाओं को प्राथमिकता देना उनकी प्रतिबद्धता है और इसी दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोटद्वार से ऋषिकेश एम्स के लिए सीधी बस सेवा की मांग क्षेत्रवासियों द्वारा वर्षों से की जा रही थी। विशेष रूप से मरीजों, उनके परिजनों एवं उपचार के लिए ऋषिकेश आने-जाने वाले लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब इस सीधी बस सेवा के शुरू होने से लोगों को बेहतर, सुरक्षित एवं सुलभ परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

उन्होंने कहा कि ऋषिकेश स्थित एम्स उत्तराखंड सहित पूरे प्रदेश के लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में कोटद्वार से सीधे एम्स तक बस सेवा शुरू होना क्षेत्र की जनता के लिए बड़ी राहत साबित होगा। इससे मरीजों को बार-बार वाहन बदलने की परेशानी से मुक्ति मिलेगी तथा समय और धन दोनों की बचत होगी।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि कोटद्वार से गोपेश्वर के लिए बस सेवा शुरू होने से गढ़वाल मंडल के विभिन्न क्षेत्रों के बीच संपर्क और अधिक सुदृढ़ होगा। इससे यात्रियों, छात्रों, कर्मचारियों, व्यापारियों एवं पर्यटकों को भी आवागमन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार परिवहन सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है और जनता की आवश्यकताओं के अनुरूप नई सेवाएं शुरू की जा रही हैं। ऋतु खण्डूडी भूषण ने कहा कि कोटद्वार प्रदेश का प्रवेश द्वार होने के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण व्यापारिक एवं शैक्षणिक केंद्र भी है। यहां से विभिन्न क्षेत्रों के लिए बेहतर परिवहन व्यवस्था उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इन नई बस सेवाओं का लाभ बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उठाएंगे तथा उनकी यात्रा अधिक सुगम और सुविधाजनक बनेगी। उन्होंने क्षेत्रवासियों को नई बस सेवाओं के शुभारंभ पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जनता की सुविधा और क्षेत्र के समग्र विकास के लिए उनके प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

इस अवसर पर उत्तराखंड परिवहन निगम के अधिकारी, जिला अध्यक्ष कोटद्वार राज गौरव, महापौर शैलेन्द्र रावत, मण्डल अध्यक्ष विकासशदीप मित्तल, विजय नंद पोखरियाल, सतीश गौड़, मंडल अध्यक्ष प्रेमा खंतवाल, आशीष रावत, सुनीता देवी, आदित्य त्रिपाठी, राजेंद्र, प्रमोद केस्टवाल एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com